तापमान
अधिकतम 36.4 डिग्री
न्यूनतम 23.0 डिग्री

हरिभूमि
# रायपुर भूमि
रायपुर, गुरुवार 12 जून 2025

14 मूणत ने चौपाटी, स्वीमिंग पूल का लिया ...

14 साय ने कहा- सहकारिता को घर-घर तक पहुंचाने ...

# NEET/JEE के लिए भिलाई सुपर 30 में प्रवेश प्रारंभ-आनंद कुमार

जो छात्र NEET व JEE की तैयारी करना चाहते है उनके लिए एक सुनहरा अवसर है कि सुपर 30 भिलाई में नामांकन टेस्ट प्रारंभ हो गया है। इसमें 30 छात्रों को निःशुल्क NEET व JEE की तैयारी करवाया जाएगा, जिसका चयन प्रक्रिया ऑनलाईन व ऑफ लाइन परिक्षा के माध्यम से होगा। 30 चयनित छात्रों को आनंद कुमार के मार्गदर्शन में NEET व JEE का तैयारी करवाया जाएगा इसमें IITians डॉक्टर व एक्सपर्ट शिक्षकों के द्वारा पढ़ाया जाएगा, जिसमें 6 घंटो का क्लास प्रत्येक रविवार को NEET व JEE पर आधारित टेस्ट लिया जाएगा।

दिसंबर से सप्ताह में 3 टेस्ट व अप्रैल में प्रत्येक दिन टेस्ट लिया जाएगा। पिछले वर्ष 30 छात्रों में से 16 छात्रों का चयन हुआ, इस वर्ष 22 से अधिक छात्रों का चयनित होने की संभावना है। यह संस्था पूरे

भारतवर्ष में एकलौती संस्था है। एक नही तीन बार शत प्रतिशत छात्र चयनित हुए है। इसमें सभी वर्ग के लोग आवेदन कर सकते है। यह परिक्षा 12 व 13 जून को ऑनलाईन व ऑफलाइन होगा व परिणाम 14 जून को घोषित होगा।

इस तैयारी का मुख्य उद्‌देश्य ऐसे छात्रो का चयन करवाना है जो पैसो के आभाव में डॉक्टर व इंजीनियर बनने का अपना सपना पूरा नही कर पाते। यह एक समाजिक पहल है, जो छत्तीसगढ़ वासियों के लिए वरदान साबित होगा, क्योंकि सुपर 30 से कई बार पूरे के पूरे छात्र चयनित हुए है। अब आनंद सर के मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ वासियों को यह सुविधा मिल रहा है **अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नं. 9243226707, 9202581591, 7415295273 पर संपर्क कर सकते हैं।**

ADVT.


# एमबीए अब हिंदी में, मातृभाषा में सीखने के इच्छुक छात्रों के लिए संचालित होगा पाठ्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

ऐसे छात्र जो इंग्लिश नहीं आने के कारण एमबीए नहीं कर पाते हैं, उनके लिए हिंदी में पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत समावेशी शिक्षा की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने अपने प्रमुख एमबीए प्रोग्राम को अब हिंदी में भी शुरू कर दिया है। इसके पहले उड़िया सहित कुछ अन्य स्थानीय भाषाओं में भी इसे शुरू किया जा चुका है। इग्नू के मुताबिक, नेशनल एजूकेशन पॉलिसी के उद्देश्यों के अनुरूप है। बहुभाषी पाठ्यक्रम का संचालन और प्रोफेशनल कोर्स को अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाने के लिए यह प्रयोग किया जा रहा है। इग्नू का कहना है कि इस प्रयोग का उद्देश्य मैनेजमेंट एजूकेशन को उन स्टूडेंट्स के लिए ज्यादा आसान बनाना है, जो अपनी मातृभाषाओं में सीखने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं।

नई भाषा में पाठ्यक्रम को लॉन्च करने के बाद इग्नू को उम्मीद है कि नॉन इंग्लिश लैंग्वेज बैकग्राउंड के कैंडिडेट्स के लिए प्रोफेशनल स्टडीज कम डरावना और ज्यादा समझने योग्य हो जाएगा।

## एआईसीटीई पहले ही कर चुका है लॉन्च, अब इग्नू ने भी की शुरुआत

### सत्रांत परीक्षाएं कल से

इग्नू की जून 2025 की सत्रांत परीक्षाएं 12 जून से 19 जुलाई तक आयोजित होंगी। परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगी। परीक्षार्थी अपना हॉल टिकट इग्नू की वेबसाइट **www.ignou.ac.in** से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्र पर हॉल टिकट और पहचान पत्र (आधार कार्ड या पैन कार्ड) लाना अनिवार्य है। परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच और ब्लूटूथ डिवाइस जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

### एआई की मदद से किया गया अनुवाद

सरकार की ई-कुंभ पहल के तहत यह प्रोग्राम इग्नू और ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन (एआईसीटीई) के बीच साझेदारी से बढ़ रहा है। एजूकेशनल कंटेंट का हिंदी में अनुवाद 'अनुवादिनी' नामक एक एआई-बेस्ड टूल का इस्तेमाल करके किया गया है, जिसे एआईसीटीई ने एजूकेशनल कंटेंट के लोकलाइजेशन के लिए विकसित किया है। एआईसीटीई के अनुसार, भविष्य में 10 अन्य भारतीय भाषाओं में एमबीए कंटेंट लॉन्च करने की योजनाओं का खुलासा किया। मल्टिलिंगुअल एमबीए पहल यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है कि कोई भी इच्छुक प्रोफेशनल पीछे न छूटे, चाहे उनका भाषाई बैकग्राउंड कुछ भी हो।

## खबर संक्षेप

### आश्रम में नाबालिग से रेप निकला झूठा, जेल में बंद केयर टेकर को मिला न्याय

**रायपुर।** माना स्थित बाल आश्रम में 14 साल की नाबालिग बच्ची से रेप के आरोपी को कोर्ट ने बरी कर दिया है। नाबालिग ने अपने दोस्त को बचाने के लिए झूठा बयान दिया था। पीड़िता के बयान को झूठा पाते हुए कोर्ट ने आरोपी को सभी दोषों से मुक्त कर दिया है। मामले की सुनवाई विशेष न्यायालय प्रथम फास्ट ट्रैक (पॉक्सो) न्यायाधीश अच्छे लाल काछी की कोर्ट में हुई। चार वर्ष पूर्व 26 नवंबर 2021 को आश्रम में रहने वाली 14 साल की बच्ची के गर्भवती होने की सूचना मिली। पूछताछ करने पर नाबालिग ने आश्रम में काम करने वाले केयर टेकर के खिलाफ रेप करने का आरोप लगाया। बचाव पक्ष के वकील प्रणय थिटे के अनुसार किशोरी ने अपने बॉयफ्रेंड, जिससे वह गर्भवती हुई थी, उसे बचाने के लिए झूठ बोला था। पीड़िता ने पुलिस और कोर्ट में यह बताया था कि उसके गर्भ के लिए आरोपी ही जिम्मेदार है, लेकिन जब पीड़िता ने जिस नवजात शिशु को जन्म दिया था, उसका और आरोपी का डीएनए टेस्ट कराया गया, रिपोर्ट में यह साफ हो गया कि पीड़िता उस नवजात की मां है, लेकिन आरोपी उसका पिता नहीं है।

### सर्विस मार्ग को बनाया पार्किंग चालकों के खिलाफ कार्रवाई

**रायपुर।** रिंग रोड के सर्विस रोड में भारी वाहनों को बेतरतीब तरीके से पार्क करने की वजह से आए दिन सड़क दुर्घटना होने के साथ जाम की स्थिति निर्मित होती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस तथा पुलिस बल ने रिंग रोड एक तथा दो में बुधवार को अभियान चलाकर सर्विस रोड के नो पार्किंग एरिया में पार्क किए गए डेढ़ सौ ट्रक चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुर्माना राशि वसूल की।

### डीजीपी ने ली सीसीटीएनए ऑपरेटरों की बैठक

**रायपुर।** सीसीटीएनएस ऑपरेटरों की राज्य के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने बुधवार को सिविल लाइंस स्थित सी-4 बिल्डिंग में बैठक ली। बैठक में सीसीटीएनएस ऑपरेटरों को सीसीटीएनएस के संपूर्ण कार्यों को करने, ई-साक्ष्य का उपयोग करने, आईओ मितान एप का उपयोग करने तथा समय सीमा में समस्त एंट्री करने एवं विवेचकों को एंट्री के लिए समस्त दस्तावेज तत्काल उपलब्ध कराने निर्देश दिए।

## पुलिस ने हनुमान वाटिका, वालफोर्ट सिटी में की कार्रवाई

# तोमर भाइयों के करीबियों के यहां दबिश, 2 किलो सोना, 10 किलो चांदी, करोड़ों के दस्तावेज जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

*सूदखोरी की रकम से करोड़ों का साम्राज्य स्थापित करने वाले वीरेंद्र तथा रोहित तोमर के करीबियों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार को पुलिस ने तोमर भाइयों के दो करीबियों के दो अलग-अलग ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की। छापे की कार्रवाई में दो किलो सोना, 10 किलो चांदी, सौ से ज्यादा प्रापर्टी के पेपर, प्रापर्टी खरीदने इकरारनामा, भारी संख्या में कोरे स्टांप पेपर जिसमें अलग-अलग लोगों के दस्तखत तथा बैंक के चेक, पासबुक पुलिस ने जब्त किया है।*

हरिभूमि फॉलोअप

पुलिस तथा क्राइम ब्रांच की टीम कोर्ट से सर्च वारंट हासिल कर घटना दिनांक को शाम छह बजे हनुमान वाटिका भाठागांव निवासी ऋषभ सिंह तथा वालफोर्ट सिटी निवाासी रवीन्द्र सिंह के निवास पर छापा मारने पहुंची। पुलिस को इन दोनों के बारे में जानकारी मिली थी कि वीरेंद्र तथा रोहित ने अपने दोनों सहयोगियों की मदद से अलग-अलग कारोबार में करोड़ों रुपए निवेश किया है। इसके बाद पुलिस ने दोनों के निवास पर छापे की कार्रवाई करने योजना बनाई और कोर्ट से वारंट हासिल कर छापे की कार्रवाई करने पहुंची। रोहित तथा वीरेंद्र के दिल्ली तथा उत्तरप्रदेश में छिपे होने की पुलिस ने आशंका व्यक्त की है। दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस जल्द ही टीम रवाना कर सकती है। दोनों बदमाशों के मोबाइल नंबर बंद हैं। दोनों को ट्रेस करने पुलिस द्वारा उनके परिजनों के मोबाइल नंबर सर्विलांस में डाले जाने की सूचना है।

### *छापे की कार्रवाई तड़के छह बजे तक*

*रवींद्र तथा ऋषभ के निवास पर छापे की कार्रवाई दूसरे दिन बुधवार को तड़के छह बजे तक जारी रही। दोनों के निवास से पुलिस दो बड़े बैग में दस्तावेज जब्त कर निकली है। दस्तावेजों की पड़ताल करने के बाद पुलिस ऋषभ तथा रवींद्र के खिलाफ भी अपराध दर्ज कर कार्रवाई कर सकती है। दस्तावेजों की पड़ताल करने के बाद पुलिस ऋषभ तथा रवींद्र को पूछताछ के लिए तलब करने की बात कह रही है।*

सूदखोर तोमर ब्रदर्स की 'पाप की कमाई' नापने निगम भी पहुंचा, 10 करोड़ के बंगले को नापा

### अन्य करीबियों के यहां छापे की कार्रवाई

सूत्रों के मुताबिक पुलिस रोहित तथा वीरेंद्र तोमर के करीबियों की सूची तैयार कर उनके पूर्व तथा वर्तमान स्टेटस की जानकारी जुटा रही है। जिन लोगों के खिलाफ तोमर भाइयों की पाप की कमाई खपाने की आशंका होगी, पुलिस उन लोगों के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई करेगी। इसके अलावा पुलिस इस बात की भी जानकारी जुटा रही है कि तोमर भाइयों ने अपनी काली कमाई रायपुर के अलावा राज्य के बाहर किसी अन्य शहर में तो निवेश नहीं किया है।

## बीएड-डीएलएड के लिए दावा आपत्ति 17 तक, युक्तियुक्तकरण के बाद मोह भंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

व्यायवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा बीएड और डीएलएड प्रवेश परीक्षाओं के मॉडल आंसर जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही दावा-आपत्ति पेश करने के लिए 17 जून तक का समय भी दिया गया है। दावा आपत्ति पेश करने प्रति प्रश्न 50 रुपए की राशि कैंडिडेट्स को जमा करनी पड़ेगी। लेकिन प्रदेश में युक्तियुक्तकरण के बाद बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रम को लेकर छात्रों का मोह भंग हो रहा है। ऐसा प्रदेश के बीएड-डीएलएड ▶▶|शेष पेज 14 पर

### *प्रवेश परीक्षा में भी घटी उपस्थिति*

*व्यापम द्वारा आयोजित बीएड प्रवेश परीक्षा में 67% और डीएलएड प्रवेश परीक्षा में 73% उपस्थिति रही थी। प्री बीएड के लिए व्यापम को 1.90 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। प्री डीएलएड के लिए व्यापम को 2.83 लाख आवेदन मिले थे। बीते सत्रों में छात्रों की उपस्थिति का प्रतिशत बेहतर रहे हैं। प्रदेश में बीएड की 14 हजार 400 तथा डीएलएड की 6 हजार 720 सीटें बीते सत्र में थी। इसके अतिरिक्त समय पर रिपोर्ट नहीं भेज सकने के कारण जिन* ▶▶|शेष पेज 14 पर

### असर दिखेगा

*शिक्षकों के पद नहीं निकलेंगे, तो छात्र उक्त पाठ्यक्रम की पढ़ाई क्यों करेंगे? प्रवेश प्रक्रिया में युक्तियुक्तकरण का असर दिखेगा।*

*- राजीव गुप्ता, संयोजक, निजी बीएड कॉलेज संघ*

## तापमान में गिरावट मगर दिन में उमस बरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्थानीय प्रभाव से राजधानी में मंगलवार को हुई जमकर बारिश के बाद बुधवार को आसमान खुलते ही उमस ने अपना असर दिखाया। अगले तीन दिनों तक प्रदेश में वर्षा की गतिविधि मध्यम रहने की संभावना है। प्रदेश में मानसून की गतिविधि 14 जून से बढ़ने का अंदाजा लगाया जा रहा है।

मंगलवार को आधे घंटे में राजधानी में झमाझम बारिश हुई है। लालपुर मौसम वेधशाला में 5 तो शहरी इलाके में 6 सेमी. बारिश दर्ज

की गई थी। रात को मौसम में ठंडकता रही, मगर सुबह बादल छंटने की वजह से धूप और नमी की वजह से उमस ने अपना प्रभाव दिखाया। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए 14 जून से अनुकूल परिस्थितियां बनने की संभावना है। ▶▶|शेष पेज 14 पर

## शेयर ट्रेडिंग में करोड़ों का झटका देने वाले निकले एमबीए, आईटी एक्सपर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

थोक मसाला कारोबारी को शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफा मिलने के झांसा देकर दो करोड़ 66 लाख की ठगी करने के आरोप में रेंज साइबर पुलिस ने गुजरात, आंध्रप्रदेश तथा झारखंड से चार जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए जालसाजों में एक आईटी एक्सपर्ट है, तो एक अन्य ने एमबीए की पढ़ाई की है। ▶▶|शेष पेज 14 पर

■ ठगी में शामिल एक जालसाज ने ठगी के पैसों से ट्रांसपोर्ट कारोबार बढ़ाया

### ठगी के पैसों को किया निवेश

जालसाजों ने कारोबारी से ठगी के पैसों को अलग-अलग लोगों के फर्जी नाम के अकाउंट में ट्रांसफर कराया। रकम ट्रांसफर होने के बाद रकम को होल्ड होने से बचाने रकम तत्काल बैंक से आहरण कर निकाल ली। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक ट्रांसपोर्टर ने ठगी की रकम को अपने ट्रांसपोर्ट कारोबार में निवेश किया है। इसके अलावा वेयर हाउस संचालक ने ठगी की रकम को नए ▶▶|शेष पेज 14 पर

### सोशल मीडिया से एक दूसरे से जुड़े

पुलिस को जो जानकारी मिली है, कारोबारी से ठगी करने वाले सभी आरोपी एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया इंस्टाग्राम तथा मैसेंजर के माध्यम से जुड़े थे। जालसाजों को एक दूसरे से जुड़वाने वाला मास्टर माइंड पुलिस गिरफ्त से बाहर है।

## दवा निगम में अभी भी मोक्षित कांड का साया रीएजेंट, दवा खरीदी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कई सौ गुना दाम में रीएजेंट और उपकरण खरीदी कर अरबों के मोक्षित कांड के प्रभाव से छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन (सीजीएमएससी) का कामकाज बाहर नहीं आ पाया है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को आवश्यक रीएजेंट और दवा की सप्लाई सामान्य नहीं हो पाई है। इसके अलावा जरूरी दवा की आपूर्ति के लिए कंपनियों से होने वाले रेट कांट्रेक्ट की प्रक्रिया भी अधूरी है और कुछ के करार खत्म होने की कगार पर आ चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग में हुए इस सबसे बड़े घोटाले की जड़ दवा कार्पोरेशन से जुड़ी हुई है, इसलिए वहां ▶▶|शेष पेज 14 पर

### पिछली बार 1200 रेट कांट्रेक्ट

सीजीएमएससी द्वारा पिछली बार जून में 12 सौ तरह की दवाओं के लिए कंपनियों से रेट कांट्रेक्ट किया गया था। इस बार आठ सौ दवाओं के लिए आरसी की प्रक्रिया पूरी की गई है। पिछले छमाही में हुए अनुबंध में सौ प्रकार की दवाओं का दर अनुबंध 1 जुलाई में समाप्त होने वाला ▶▶|शेष पेज 14 पर

### ज्यादातर हेल्थ सेंटर में मोक्षित की मशीन

ज्यादातर हमर लैब, जिला अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों में मोक्षित कार्पोरेशन की जांच मशीनें लगी हैं। इनमें से काफी मशीनों को काफी समय पहले कंपनी के इंजीनियर लॉक कर चुके हैं। जो मशीनें खुली हैं, उसका उपयोग तभी हो सकता है, जब उसी कंपनी के रीएजेंट मिलें। जिला अस्पताल के हमर लैब से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मोक्षित की लॉक मशीन के विकल्प में मौजूद दूसरी टेस्ट मशीनों से मरीजों की जांच की जा रही है, मगर इनसे संबंधित रीएजेंट की सप्लाई नियमित नहीं हो पा रही है।

## पिछले 5 माह में 4517 बेरोजगारों ने पंजीकरण कराया

# बेरोजगारी का ग्राफ बढ़ा, कार्यालय में रजिस्टर्ड आंकड़ा पहुंचा 92 हजार, इनमें 45 हजार से ज्यादा महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

रायपुर जिले में युवक-युवतियों को नौकरी नहीं मिलने के कारण बेरोजगारी का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। जिला रोजगार कार्यालय में पंजीकृत युवक-युवतियों का आंकड़ा करीब 92 हजार पहुंच चुका है। यह आंकड़ा बताता है कि पिछले 9 साल में किस दर से बेरोजगारी के ग्राफ में बढ़ोतरी हुई है, ▶▶|शेष पेज 14 पर

### पिछले दो वर्षों में सबसे ज्यादा बेरोजगारों ने कराया पंजीकरण

रोजगार कार्यालय में हर साल हजारों बेरोजगार नौकरी की उम्मीद लिए पंजीयन कराते हैं। इनमें सर्वाधिक वर्ष 2023 और वर्ष 2024 में सबसे ज्यादा बेरोजगारों ने पंजीकरण कराया है। वर्ष 2023 में 34118 एवं वर्ष 2024 में 26639 बेरोजगारों ने पंजीकरण कराया है।

### कई वर्षों से शासकीय विभागों में निकली नहीं वैकेंसी

जिले में पिछले कई वर्षों से विभिन्न शासकीय विभागों में वैकेंसी ही नहीं निकाली गई है, जबकि कई विभागों में कई पदों पर पदस्थ कई कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं, वहीं कई कर्मचारियों की मृत्यु हो चुकी ▶▶|शेष पेज 14 पर

**बेरोजगारों में 45 हजार से अधिक महिलाएं :** रोजगार कार्यालय का आकड़ा बताता है कि जिले में पंजीकृत बेरोजगारों में जितनी संख्या पुरुषों की है, लगभग उसके करीब महिला बेरोजगारों की भी है। जिले में 31 मई 2025 तक की स्थिति में कुल पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 91 हजार 732 है। इसमें पुरुषों की संख्या 46 हजार 435 है, वहीं महिलाओं की संख्या 45 हजार 297 है। इन ▶▶|शेष पेज 14 पर

### इस तरह घटा-बढ़ा बेरोजगारी का ग्राफ

| वर्ष | पंजीकृत |
|---|---|
| 2016 | 17753 |
| 2017 | 19965 |
| 2018 | 19771 |
| 2019 | 14050 |
| 2020 | 81936 |
| 2021 | 76598 |
| 2022 | 78192 |
| 2023 | 74561 |
| 2024 | 89439 |
| 2025 मई तक | 91732 |


## पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

जीवेत शरदः शतम्
12 जून
सरल, सहज, मृदुभाषी, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी
माननीय
टंक राम वर्मा जी
मंत्री, खेलकूद एवं युवा कल्याण
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग (छ.ग. शासन)
को जन्मदिन की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं
आपके दीर्घायु
एवं स्वस्थ जीवन की
शुभकामनाएं...
टंकराम वर्मा
मंत्री, खेलकूद एवं युवा कल्याण
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग (छ.ग. शासन)
विनीत : समस्त भाजपा कार्यकर्तागण, जिला-बलौदाबाजार (छ.ग.)

जीवेत शरदः शतम्
सरल, सहज, मृदुभाषी, मिलनसार
व्यक्तित्व के धनी, राजस्व मंत्री व
बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक
माननीय
टंकराम वर्मा जी
को जन्मदिन की
हार्दिक बधाई
शुभकामनाएं
12 जून
मान. टंकराम वर्मा
खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन
मंत्री, छ.ग. शासन, विधायक बलौदाबाजार विधानसभा
शुभेच्छु
एक शुभचिंतक तिल्दा नेवरा क्षेत्र
संकलनकर्ता - रमेश अग्रवाल मो. 9329217200, दिलीप वर्मा मो. 9424211900, 8120003500 संवाददाता हरिभूमि तिल्दा नेवरा

# दीक्षा की मौत अत्याधिक रक्तस्त्राव से, स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव प्रक्रिया की निगरानी पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ 11 माह पहले उरला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही से हुई थी मौत

चिकित्सकीय स्टाफ की लापरवाही से दीक्षा निषाद की मौत अत्याधिक रक्तस्त्राव की वजह से होने की आशंका है। सर्जरी के बाद मरीजों को मेल नर्स के भरोसे छोड़ने पर जांच में डाक्टरों की जिम्मेदारी भी तय की जाने की संभावना है। इस घटना के बाद जिला मुख्यालय स्तर पर प्रसव की निगरानी करने वाले अफसरों की जिम्मेदारी तय किए जाने की आवश्यकता है। सोम-मंगल की दरम्यानी रात बिरगांव शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दीक्षा निषाद की मौत के बाद भारी हंगामा हुआ था। मामले में स्वास्थ्य केंद्र के मेल नर्स, अनुपस्थित ड्यूटीरत डाक्टर और महिला सर्जन की भूमिका की जांच की जा रही है। इस बीच यह बात सामने आ रही है कि दीक्षा की सर्जरी के दौरान अत्याधिक रक्तस्त्राव हुआ था, जिसकी वजह से वह बेहद कमजोर हो गई थी। सर्जरी के बाद उसके टांके भी सही तरह से नहीं लगाये गए थे, जिसकी वजह से वह दर्द से तड़प रही थी। परिजनों की शिकायत के बाद भी हेल्थ सेंटर के मेल नर्स द्वारा सही तरीके से इलाज के बजाए अपशब्द कहने की बात सामने आई थी। सही समय और विशेषज्ञ डाक्टर से इलाज के अभाव में उसकी मौत हो गई थी। इसके पूर्व 11 महीने पहले उरला के स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही बरतने से एक नवजात ने दम तोड़ दिया था। उस दौरान भी काफी बवाल हुआ था और स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी के निलंबन के साथ संविदा डाक्टर को सेवा से बर्खास्त किया गया था। इस तरह की घटनाएं स्वास्थ्य केंद्रों में मातृ एवं शिशु मृत्यु रोकने प्रसव व्यवस्था को बेहतर बनाने की निगरानी करने वाले विभागीय अफसरों की सक्रियता पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इधर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी का कहना है कि मामले की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है और इसी आधार पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

## खबर संक्षेप

### वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन ने पर्यावरण पर की विचार गोष्ठी

**रायपुर।** वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन सोशल एक्टीविटी ग्रुप की बैठक अरविन्द ओझा प्रदेश अध्यक्ष व नमिता शर्मा महिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में होटल एमराल्ड, चंगोराभाठा, रायपुर में हुई। इसमें वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन द्वारा पर्यावरण पर विचार गोष्ठी कर पर्यावरण में सुधार के लिए कार्य करने एवं वृक्षारोपण का संकल्प लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा ने बैठक में भारतीय संस्कृति में पर्यावरण के महत्व को बताते हुए भारतीय परंपरा और रीति-रिवाज को अपनाकर पर्यावरण में सुधार के लिए अपील की। महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने सभी सदस्यों को पर्यावरण सुधार के लिए घर पर गमलों में वृक्षारोपण कर पर्यावरण में सुधार की बात कही। बैठक में सभी सदस्यों ने विश्व के समक्ष पर्यावरण प्रदूषण और उसमें सुधार पर संक्षिप्त में अपने विचार रखे। सबसे उत्कृष्ट विचार के लिए संजय पाण्डेय को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एक माइंड गेम का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए त्रिभुवन तिवारी को पुरस्कृत किया गया।

# 7128 विद्यार्थियों ने पिछले सत्र में प्रौढ़ों को किया साक्षर, इस बार भी बोर्ड में 10 अंक बोनस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ राज्य साक्षरता मिशन के अंतर्गत किया गया था प्रावधान, इस साल भी रहेगा लागू

■ स्वयंसेवी शिक्षकों का होगा पंजीयन, प्रत्येक वार्ड में जाकर किया जाएगा सर्वे

दसवीं-बारहवीं में पढ़ने वाले ऐसे विद्यार्थी जो किसी प्रौढ़ को साक्षर करेंगे, उन्हें 10 अंकों का बोनस प्रदान किया जाएगा। यह प्रावधान उल्लास नव भारत साक्षरकता कार्यक्रम के अंतर्गत बीते सत्र में किया गया था। अब शैक्षणिक सत्र 2025-26 में भी छात्रों को यह लाभ प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का नाम परिवर्तन कर इसे उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम कर दिया गया है। इसके अंतर्गत ऐसे प्रौढ़ जो विभिन्न कारणों से शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते हैं तथा पढ़ना-लिखना भी नहीं जानते हैं, उन्हें साक्षर किया जाता है। पूर्व में इस साक्षरता कार्यक्रम के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रेरक नियुक्त किए गए थे। इन्हें निश्चित राशि भी प्रौढ़ों को प्रदान करने के बदले प्रदान की जाती थी। अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। प्रेरक के स्थान पर स्वयंसेवी शिक्षक प्रौढ़ों को पढ़ाते हैं। स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में हाईस्कूल व हायरसेकंडरी के छात्रों को भी पढ़ाने की पात्रता प्रदान की गई है। प्रौढ़ों को पढ़ाने वाले स्वयंसेवी शिक्षकों का सर्वे किया जाएगा।

### मेरिट लिस्ट में गणना नहीं

माध्यमिक शिक्षा मंडल के मेरिट लिस्ट संबंधित नियमों के अनुसार, बोनस अंकों के बगैर ही प्रावीण्य सूची तैयार की जाती है। ऐसे में साक्षरता अभियान के अंतर्गत प्राप्त बोनस अंकों की गणना मेरिट के दौरान नहीं की जाएगी। छात्रों की अंकसूची में उक्त 10 अंकों का जिक्र होगा तथा कुल प्राप्तांकों में भी इसे जोड़कर अंतिम परिणाम निकाले जाएंगे, लेकिन मेरिट लिस्ट बगैर बोनस अंक के ही तैयार होगी।

### दी जाएगी मार्गदर्शिका

छात्रों के साथ ही समस्त स्वयंसेवी शिक्षकों को मार्गदर्शिका प्रदान की जाएगी। इसके माध्यम से उन्हें बताया जाएगा कि प्रौढ़ों को किस तरह से पढ़ाया जाना है। उन्हें पठन सामग्री भी प्रदान किया जाएगा। इन्हें सुरक्षित रखे जाने के संदर्भ में भी विशेष रूप से हिदायत देने कहा गया है। शिक्षार्थियों के लिए बनाए गए उल्लास केंद्र में यह अध्यापन कार्य कराया जाएगा।

## आधी रात बाद बहाल हो सकी विद्युत व्यवस्था

# दोपहर तक विद्युत तारों से उलझी टहनियों को हटाने चलती रही कवायद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ हलाकान रहे लोग, शिकायत नंबर इंगेज

■ प्री-मानसूनी बारिश से शहर की बिजली गुल

■ विद्युत कार्यालय में पहुंचकर लोग जताते रहे आक्रोश, धमकी-चमकी का दौर भी चलता रहा

आधे घंटे की प्री-मानसूनी बारिश के बाद बाधित विद्युत व्यवस्था को बहाल होने में छह घंटे का वक्त लग गया। राहत अमला सुबह से दोपहर तक विभिन्न इलाकों में तारों से उलझी टहनियों और पेड़ों को हटाने मशक्कत करता रहा। बारिश से बिजली सप्लाई में कोई बड़ा फाल्ट तो नहीं आया, मगर छोटी शिकायतों का ढ़ेर लगा रहा। बिजली गुल होने से हलाकान लोग शिकायत नंबर पर ट्राई करते रहे, जो इंगेज रहा। कई इलाकों में बिजली दफ्तर में देर रात हंगामे के साथ धमकी-चमकी का दौर भी जारी रहा।

मंगलवार शाम रायपुर में भारी बारिश हुई और इसका साइड इफेक्ट विद्युत व्यवस्था पर नजर आया। बारिश शुरू होने के साथ आधे शहर की बिजली गुल हुई, जो रात एक से दो बजे के बाद ही बहाल हो सकी। बारिश होने के बाद बनी उमस की स्थिति और गुल बिजली लोगों को हलाकान करती रही। बिजली गुल होने संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए विभागीय अफसरों और शिकायत नंबर पर कॉल जाते रहे, मगर नंबर इंगेज होने की वजह से लोगों के सब्र का बांध टूट गया। विभिन्न इलाकों के विद्युत कार्यालयों में लोगों की भीड़ जमा हो गई और जिम्मेदारों के नहीं मिलने पर छोटे कर्मचारियों पर गुस्सा उतारा गया। विद्युत विभाग के वितरण कंपनी के महाप्रबंधक भीम सिंह के मुताबिक विद्युत व्यवधान की वजह पेड़ों और टहनियों का तारों पर गिरने जैसी स्थानीय समस्या थी। आधी रात तक सभी शिकायतों को दूर कर विद्युत व्यवस्था को बहाल कर लिया गया। इसके बाद विद्युत विभाग का मरम्मत दल तारों से उलझे पेड़ों की टहनियों को हटाने के साथ टूटे तारों को जोड़ने का काम करता रहा।

### महावीर नगर में विद्युत दफ्तर का घेराव

महावीर नगर और अमलीडीह इलाके में रात ढाई बजे के बाद विद्युत व्यवस्था बहाल हो सकी। यहां के स्थानीय लोग तेलीबांधा इलाके के विद्युत कार्यालय में पहुंचकर नाराजगी जताते रहे। शंकर नगर इलाके में कुछ इसी तरह की घटना हुई और चक्काजाम की चेतावनी के बाद राहत अमला सक्रिय हुआ और लाइट लौटी।

### टिकरापारा में दोपहर हटा पेड़

टिकरापारा के नूतन स्कूल के समीप पेड़ टूटकर बिजली तारों से उलझ गया था। अस्थायी माध्यम से बिजली रात एक बजे लौटी और तारों तथा पेड़ की टहनियों को बुधवार दो बजे के बाद अलग किया जा सका। इसी तरह शहर के विभिन्न इलाकों से छोटे-मोटे फाल्ट आज भी दूर किए जाते रहे।

### जिला अस्पताल समेत पंडरी की बिजली गुल

बारिश के दौरान जिला अस्पताल पंडरी की विद्युत व्यवस्था बाधित रही। लंबे समय तक विद्युत व्यवधान होने की वजह जनरेटर भी साथ छोड़ने लगा था। जिम्मेदार बिजली विभाग के अफसरों का फोन घनघनाते रहे। रात दो बजे के बाद बिजली लौटी। देवेन्द्र नगर और पंडरी इलाके में भी रात्रि एक बजे तक लाइट गुल रही।

### आम सूचना

दिनांकः- 11.06.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार विकास श्रीवास्तव पिता श्री मुन्ना लाल श्रीवास्तव, निवासी एचबीडी/ जी-3, सिंचाई कॉलोनी, रामपुर, कोरबा (छ.ग.) ने विक्रेता बी कुणाल पिता श्री हरिनारायण राव, निवासी ग्रीन गेलेरी, कचना, रेल्वे क्रॉसिंग, खम्हारडीह, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य का फ्लैट वाके मौजा ग्राम शंकर नगर (महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रं.- 28), प.ह.नं.- 110/40 तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. 1211/22, फ्लैट नं.- सी-102, ब्लॉक नं.- सी (प्रथम तल), सुपर बिल्डअप एरिया 1064 वर्गफुट है को क्रेता क्रय करने का पक्का सौदा कर अग्रिम ब्याना राशि विक्रेता को अदा कर दिया है, अब मात्र पंजीकृत विक्रय विलेख का निष्पादन किया जाना मात्र शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार से जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, बोर्ड, निगम, वित्तीय संस्था, बैंक, फर्म, सोसायटी आदि को कोई दावा या आपत्ति, उजर है तो इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मय दस्तावेज सहित आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे, बाद मयाद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर मान्य एवं बंधनकारी नहीं होगा, तथा उक्त संबंध में की गई कोई भी आपत्ति अवैध व शून्य समझा व माना जावेगा। सो सूचना जाने।

**भवदीय**
**छबिराम साहू**
**नोटरी /अधिवक्ता सिविल कोर्ट**
**उपरवारा, सेक्टर 34, नवा रायपुर (छ.ग.), मोबा. नं.- 90096-31623, 8349443377**

### कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

### आम सूचना

**दिनांक 09/06/2025**

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय अग्रवाल पिता जी.एस. अग्रवाल निवासी अवंतिविहार रायपुर की ग्राम हथबंध प.ह.नं. 33 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी की भूमि खसरा नंबर 19/3 रकबा 0.103 हे. 55/22 रकबा 0.104 हे. कुल रकबा 0.207 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक .../वाचक/तह./2024 के आदेश दिनांक 27/01/2025 के परिपालन में दिनांक 17/06/2025 को समय 12:00 PM बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 33 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

**राजस्व निरीक्षक**
**रायपुर-19 (धनेली)**

### आम सूचना

**ग्राम शंकर नगर, प.ह.नं. 110 / 63 स्थित सम्पत्ति के संबंध मे**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री विजय कुमार अरोरा पिता श्री हरवंश लाल अरोरा निवासी मकान नंबर 39, कृष्णा शापिंग मॉल के पीछे चैतन्य नगर रायगढ़ छ.ग. वाले के स्वामित्व एवं आधिपत्य की सम्पत्ति परिवर्तित भूमि शीट नंबर-21, प्लॉट नंबर-3, खसरा नंबर 20/19, का रकबा 6003 वर्गफुट भूमि जिस पर तलघर में 2808 वर्गफुट में पार्किंग, भूतल पर 2808 वर्गफुट में दुकान, प्रथम तल में 3282 वर्गफुट में कार्यालय, द्वितीय तल में 3282 वर्गफुट में कार्यालय, तृतीय तल में 3282 वर्गफुट में कार्यालय, चतुर्थ तल में 1367 वर्गफुट में कार्यालय निर्मित है जिसे ममता बिजनेस पार्क के नाम से जाना जाता है जो वाके मौजा शंकरनगर, प.ह.नं. 110/63, रा.नि.मं. रायपुर, नेताजी सुभाष चंद बोस वार्ड क्रमांक 29 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मे शेमराक स्क्वेयर बाजू में स्थित है, को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है। बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त सम्पत्ति के सौदे / विक्रय के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, बैंक, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभाग को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित उजर दावा या आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन के 10 दिनों के भीतर मेरे समक्ष प्रस्तुत करे, आम सूचना का खण्डन मात्र आपत्ति के रूप में स्वीकार नहीं होगा । बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष मे करा लिया जावेगा एवं तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी भी नहीं होगी ।

सो सूचना जाने ।

दिनांक - 11/06/2025
स्थान- रायपुर छ.ग.

भवदीय
**डी. पी. वर्मा / भरत खाखरिया (अधिवक्तागण )**
**पता राज टाकिज के पास होटल लक्ष**
**रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग.**
**मो. नं. - 97707-88855**

### आम सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विक्रेता- नेल्सन बेनेट पिता जानसन बेनेट, निवासी- गली नं.- 02, श्याम नगर, वार्ड नं. - 42, रायपुर तहसील व जिला- रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- धरमपुरा, प.ह.नं.- 78, रा.नि.मं.-रायपुर-20 सेरीखेड़ी, तहसील व जिला- रायपुर छ.ग. स्थित भूमि ख.नं. - 252/1, 252/62 रकबा क्रमशः 0.0290 हेक्टेयर, 0.0210 हेक्टेयर कुल खसरा- 2, कुल रकबा 0. 0500 हेक्टेयर को मेरे पक्षकार प्रशांत पटेल पिता मनमोहन पटेल, निवासी-ग्राम- धरमपुरा, थाना- माना कैम्प, तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना की राशि अदा कर दिया है तथा केवल बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित संव्यवहार से या उक्त सौदे पर किसी भी व्यक्ति संस्था, निकाय, बैंक बीमा, वित्तीय संस्था, आर.डी.ए, शासन, प्रशासन निगम इत्यादि अन्य को किसी भी प्रकार की उजर या आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिन के अंदर मेरे समक्ष लिखित मय दस्तावेज के अपने आपत्ति दर्ज करावें बाद म्याद उपरोक्त संपत्ति का बैनामा पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में करवा लिया जायेगा, तथा बाद म्याद प्रस्तुत की गयी आपत्ति उजर या दावा एवं झूठी व विधि विरुद्ध मानी जावेगी, एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

रायपुर छ.ग.
दिनांकः- 11/06/2025

**भवदीय**
**जे.एल. सोनबेर, मुकेश साहू (अधिवक्तागण)**
**बार रूम नं.-103, टेबल नं.- 02, नई बिल्डिंग, प्रथम तल, जिला न्यायालय परिसर, रायपुर (छ.ग.)**
**मो.नं. - 98938- 09980**

### कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर- 05 (भनपुरी) तहसील व जिला रायपुर

### सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 10.06.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अंजू तिवारी वगै. पति स्व.योगेश तिवारी निवासी ग्राम घठुला, थाना सिहावा जिला धमतरी द्वारा आवेदित ग्राम गोंदवारा प.ह.नं. 37 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर- 05 (भनपुरी) स्थित भूमि खसरा नंबर 587/24 शामिल 588/9 रकबा क्रमशः 0.0220 हेक्टेयर सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के ज्ञापन क्र. क/वाचक/अति. तह. / वर्ष 2025 रायपुर के आदेश दिनांक 27.05.2025 के परिपालन में दिनांक 24.06.2025 को समय 1:00 बजे पश्चात् किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 37 के गोंदवारा स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

**राजस्व निरीक्षक**
**रायपुर- 05 (भनपुरी)**

### शपथपत्र

मैं शिवज्ञानी पाण्डेय SHIVGYANI PANDEY उम्र 76 वर्ष पिता स्व. रामचंद्र पाण्डेय निवासी शिवानंद नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूं:-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपर वर्णित अनुसार सत्य एवं सही है ।
2. यह कि मेरे आधार कार्ड व पेन कार्ड मे मेरा नाम शिवज्ञानी पाण्डेय SHIVGYANI PANDEY अंकित है।
3. यह कि मेरे पुत्र के पासपोर्ट में मेरा नाम त्रुटिवश शिवोज्ञानी पाण्डेय SHIOGYANI PANDEY अंकित है।
4. यह कि दोनों ही स्पेलिंग SHIVGYANI PANDEY एवं SHIOGYANI PANDEY एक ही व्यक्ति के अर्थात मुझ शपथकर्ता के है।
5. यह कि किसी प्रकार के गलत कथन की समस्त जवाबदारी मुझ शपथकर्ता की होगी।
6. यह कि उक्त कथनों की सत्यता में यह शपथपत्र प्रस्तुत किया जा रहा है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन-** शपथपत्र की कंडिका 01 से 06 सत्य एवं सही है।

**शपथकर्ता**

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 03/06/2025

## खबर संक्षेप

### काया बांधा में चावल उत्सव मनाया गया

**आरंग।** ग्राम पंचायत कायाबांधा में चावल उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य वीरेंद्र गोलू हिरवानी, सरपंच लक्ष्मण टण्डन, पंच शुशीला राजू तारक एवं मुकेश यादव सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

### विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम आज

**तरपोंगी।** शासन द्वारा राष्ट्रीय अभियान 2025 विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 12 जून को दोपहर 2 से 5 बजे तक धान उपार्जन केंद्र तरपोंगी प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। जिसमें कृषि विभाग,उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग,पशु विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र से अधिकारी व वैज्ञानिक उपस्थित रहकर अपने-अपने विभाग की विस्तृत जानकारी के साथ साथ आगामी खरीफ फसलों की तैयारी की जानकारी देंगे।उक्त कार्यक्रम में मोहदा, सड्डू, तरपोंगी के कृषक शामिल होंगे।

### ग्राम रीवा में चावल उत्सव मनाया गया

**आरंग।** ग्राम पंचायत रीवा में बुधवार को चावल उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन ग्रामीण अन्न योजना के अंतर्गत किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को निःशुल्क चावल वितरण के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर कृष्णा साहू जनपद पंचायत आरंग के सभापति सहकारिता एवम उद्योग प्रतिनिधि महेश साहू ने राज्य सरकार द्वारा गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चावल उत्सव, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनहितैषी सोच को दर्शाता है। श्री साहू ने आगे कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल खाद्यान्न वितरण का माध्यम बनते हैं, बल्कि लोगों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं से अवगत भी कराते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपभोक्ता उपस्थित थे।

---

गड़बड़ी : सरकारी तंत्र की उदासीनता और मलाईखोर अधिकारियों पर किसानों का फूटा रहा गुस्सा

# धरसींवा में किसानों के साथ विश्वासघात सहकारी समिति से मिले घटिया बीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

- सरकारी तंत्र में घोर लापरवाही का आलम

एक बार फिर अन्नदाताओं के साथ सरकारी तंत्र की घोर लापरवाही और बेशर्म उदासीनता का बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। धरसींवा की सहकारी समिति से किसानों को बांटे जा रहे धान के बीजों में खुलेआम घटियापन पाया गया है, जिससे किसानों का खून खौल रहा है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब किसान अपनी खून-पसीने की कमाई से बेहतर फसल की उम्मीद में बुवाई की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे 'मलाईखोर' अधिकारियों और बेपरवाह कर्मियों की वजह से उन्हें सीधे धोखा मिल रहा है।

परसतराई के किसान चंदन चंद्रवंशी ने बताया कि उन्होंने धरसींवा सोसाइटी से धान का बीज लिया था, लेकिन एक पैकेट में लगभग 250 ग्राम 'करगा' (खराब दाने) निकले। यह सिर्फ एक पैकेट का मामला नहीं, बल्कि सरकारी बीज वितरण प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही का जीता-जागता सबूत है। किसान ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि इस घटिया बीज से उगने वाली फसल में भी काले दाने मिश्रित रहेंगे, जिसे सरकार या प्रशासन का कोई भी नुमाइंदा खरीदने को तैयार नहीं होगा। ऐसे में किसान को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा, जबकि उसकी एकमात्र गलती सरकारी समिति पर विश्वास करना था।

### कांग्रेस ने उठाए सवाल

पीड़ित किसान ने अपनी शिकायत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा के पास जाकर रखी। श्री वर्मा ने किसानों की इस गंभीर समस्या को गंभीरता से लेते हुए शासन-प्रशासन की लचर व्यवस्था और किसानों के प्रति उदासीन रवैये पर सीधे सवाल उठाए। उन्होंने मांग की है कि सभी सहकारी समितियों में वितरित किए जा रहे बीजों की तत्काल उच्च-स्तरीय जांच की जाए और किसानों को अविलंब गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जाएं। श्री वर्मा ने सत्ता के नशे में चूर और किसानों की अनदेखी करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को साफ चेतावनी दी कि यदि इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया, तो सभी समितियों में किसानों द्वारा बड़े पैमाने पर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने दो टूक कहा कि किसान अब उदासीन कर्मियों और भ्रष्ट अधिकारियों का 'खेल' ज्यादा दिन बर्दाश्त नहीं करेंगे।

### नहीं मिली लिखित शिकायत

अभी तक कोई भी किसान लिखित शिकायत नहीं की गई है, अगर शिकायत आई तो जांच कर सम्बंधित विभाग को तलब किया जाएगा।

श्री बी पी सोनी
**समिति प्रबंधन धरसींवा**

### बेशर्मी से हो रही लापरवाही स्वीकार्य नहीं

दुर्गेश वर्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि शासन समिति के माध्यम से किसानों को 'पान कंपनी' की जमुना 804 और 806 किस्म के बीज उपलब्ध करा रही है, जिनका उत्पादन बहुत अच्छा है। उन्होंने मांग की कि इस किस्म के धान का उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों से सीधे मिलर को दिया जाए, ताकि किसान अधिक से अधिक इस किस्म की धान का उत्पादन कर सकें और उन्हें उचित मूल्य मिल सके। यह दिखाता है कि जब नीयत साफ हो, तो किसानों के हित में कार्य करना संभव है, लेकिन वर्तमान में बेशर्मी से हो रही लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

### भ्रष्टाचार और लापरवाही पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल रही सरकार

धरसींवा की यह घटना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि किसानों के हितों की रक्षा करने का दावा करने वाली सरकार अपने ही तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल रही है। जिस किसान के कठोर श्रम से पूरा देश पेट भरता है, यदि वही सरकारी तंत्र की उदासीनता और 'मलाई खाने वाले' अधिकारियों के हाथों ठगा जाए, तो आखिर वह किससे न्याय की उम्मीद रखेगा? सरकार को इस मामले की गंभीरता को समझना होगा और तत्काल प्रभावी व पारदर्शी कदम उठाने होंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और अन्नदाता को न्याय मिल सके। किसानों के सब्र का बांध टूट रहा है, और यदि सरकार ने अपनी आंखें नहीं खोलीं और भ्रष्ट अधिकारियों पर लगाम नहीं कसी तो इसके गंभीर राजनीतिक और सामाजिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

---

# संकरी में शराब की अवैध बिक्री एवं अतिक्रमण से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

- ग्रामीणों ने थाना प्रभारी व तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

ग्रामीणों व पंचायत प्रतिनिधियों के बारम्बार मनाही के बाद भी अवैध शराब ब्रिक्री से बाज न आ चुनौती देते हुये शराब बेचने व अतिक्रमण करने वालों से त्रस्त हो पंचायत प्रस्ताव ले ग्राम संकरी (जावा) के ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सरपंच लीना विक्की वर्मा की अगुवाई में मंदिर हसौद थाना प्रभारी व तहसीलदार को ज्ञापन सौंप अवैध थाना प्रभारी से जहां शराब बिक्री में लिप्त तत्वों के खिलाफ ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही करने की मांग की वहीं तहसीलदार से हर हाल में अतिक्रमण हटवाने की गुजारिश की। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार 15 सौ की आबादी वाले इस ग्राम में 3-4 शराब कोचियों ने आतंक मचा रखा है। इसमें कथित रूप से सरपंच परिवार का एक व्यक्ति भी शामिल है। इनमें से अधिकांश अधिकतर आरंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लखौली व आरंग शराब भट्ठी से शराब ला बेचते हैं। लगातार समझाईश के बाद भी हरकतों से बाज नहीं आने पर बैठक पश्चात सर्वसम्मति से इनके खिलाफ शंखनाद करने का निर्णय लेते हुये प्रथम चरण में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। इसी तरह पूर्व में अतिक्रमण मुक्त कराये गये इस ग्राम में कतिपय विध्नसंतोषियों द्वारा बेजा कब्जा कर ग्रामीण व्यवस्था बिगाड़ ग्रामीणों को चुनौती देने वालों के खिलाफ भी कार्यवाही की मांग को ले तहसीलदार को ज्ञापन सौंपने का फैसला लिया गया। प्रतिनिधि मंडल में सरपंच के साथ उपसरपंच सरिता शिवा साहू, पंचगण सुनीता साहू, गोपी साहू, भूपेंद्र कुर्रे, राजकुमारी जांगड़े, डा खेमनलाल , कुबेर दास, चंद्रकला, कमलेश राव, मंगतीन वर्मा सहित ग्राम में रचनात्मक कार्यों में सक्रिय निखिल वर्मा, गिरवरदास , राजू जांगड़े व शिवनारायण साहू आदि शामिल थे। इधर शराब विरोधी मुहिम में सक्रिय किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र से मुलाकात करने आये ग्रामीणों को जानकारी दी कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. लाल उमेद सिंह को संकरी सहित ग्राम कठिया, टेकारी व चंदखुरी के जमीनी हकीकत से कुछ दिनों पूर्व ही अवगत करा दिया गया है।

---

# आरंग में मनाई गई संत कबीर दास जी की 628वीं जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

अग्रसेन योगासन शाखा अग्रवाल पारा आरंग द्वारा कबीरदास जी की 628वीं जयंती मनाई गई। अग्रसेन योगासन शाखा अपने नित्य आसन, प्राणायाम, ध्यान योग एवं ध्वज प्रणाम के बाद मुख्य अतिथि मनमोहन गुप्ता एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता व्याख्याता द्वारा सदगुरुदेव कबीरदास जी, डॉ केशव बलीराम हेडगेवार, गुरुजी सदाशिव गोलवलकर की छाया चित्र पर पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि मनमोहन गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कबीरदास जी की जीवनी एवं संतो की महिमा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि कबीरदास जी कवि, संत एवं समाज सुधारक थे जो समाज की विभिन्न कुरीतियों, पाखंडों का विरोध किया और अपने आप को पहचानने की बात कही। विनोद गुप्ता ने राम नाम की महिमा का उल्लेख किया व कहा की इस युग में राम नाम जप से बड़ा कोई नही। दीपक गुरु गोस्वामी ने कहा कि कबीर जी निर्गुण उपासक थे, 16 वर्ष की आयु में उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त हुआ। बिना गुरु के जीवन व्यर्थं है ऐसा जानकर रामानन्द जी महाराज को गुरु बनाया। शंकर पाल ने कहा कि गुरुनानक देव जी भी कबीर दास जी से आत्मज्ञान प्राप्त किया, हालांकि वे परमात्मा को अपना गुरु मानते थे, लेकिन गुरुग्रन्थ साहेब में अनेक कबीर के दोहे मिलते है जिससे यह पता चलता है कि गुरुनानक देव भी कबीर दास जी के अनन्य भक्त थे। मुरारी लोधी ने कबीरदास जी की व्यंग्य वाक्य पर कहा कि मात्र स्नान करने से कुछ नहीं होता यदि हमारा मन साफ नहीं है।

---

# भरथरी गायक गंगा को मंत्री वर्मा ने किया सम्मानित

**आरंग।** रायपुर के रंग मंदिर में सुप्रसिद्ध लोक गायक भूपेन्द्र साहू द्वारा भरथरी लोक विधा पर भरथरी वैराग्य की गाथा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें आरंग के सुप्रसिद्ध लोक गायक गंगा साहू की टीम द्वारा भरथरी प्रस्तुत किया गया। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। वहीं इनके टीम की शानदार भरथरी गीत की प्रस्तुति के लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने गंगा साहू को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। गंगा साहू ने बताया यहां भरथरी गायन को खूब सराहा गया। छत्तीसगढ़ के अनेक लोक कलाकारो ने इस आयोजन में शामिल होकर भरथरी विधा की प्रस्तुति को सराहा। गायन में प्रमुख रूप से लोकगायक गंगा साहू, राजेन्द्र साहू, योगिता सिंधु और सोन ने स्वर दिया। वहीं गंगा साहू को उत्कृष्ट भरथरी गायन के लिए सम्मानित होने पर सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन, कलाकार संगठन तथा रानी पद्मावती महिला संगठन ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिए हैं।

---

# कुकरा में एक साथ तीन माह का चावल देकर मनाया चावल उत्सव

**आरंग।** ग्राम पंचायत कुकरा में सरपंच नन्दलाल डहरिया की उपस्थिति में उपभोक्ताओं को एक साथ 3 माह का चावल देकर चावल उत्सव उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर अपने उद्बबोधन मे सरपंच ने कहा कि यह केवल चावल वितरण का कार्यक्रम नहीं है, यह हमारे ग्राम के सुरक्षा, समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं के तहत, आज हमारे गाँव में 3 माह का चावल एक साथ वितरित किया जा रहा है। यह हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि कोई भी भूखा न सोए, हर परिवार को भरपेट अन्न मिले। गाँव के प्रत्येक पात्र परिवार को समय पर राशन मिलना सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है, और हम सब मिलकर इसे निभाएंगे। इस योजना से जहाँ एक ओर आम जनता को राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं का आत्मबल भी बढ़ा है। घर का भंडार भरा रहेगा, तो घर में शांति और खुशहाली भी बनी रहेगी। उन्होंने सभी उपभोक्ता से निवेदन करते हुआ कहा कि इस योजना का सही उपयोग करें, किसी भी प्रकार की कालाबाज़ारी या अपात्रता से बचें और यदि कोई गड़बड़ी नजर आती है तो सीधे पंचायत या मुझसे संपर्क करें।

इस अवसर पर कृष्णा साहू जनपद सभापति, प्रतिनिधि महेश साहू, पंच मोहन साहू, मयंक साहू, दीनदयाल साहू सहित बड़ी संख्या में उपभोक्ता उपस्थित थे।

---

# श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल में तीन बच्चों को मिला जीवन का उपहार

**आरंग।** नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल में तीन बच्चों को जीवन का उपहार के रूप में प्रशस्ति पत्र व उपहार प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि इस अस्पताल में जन्मजात हृदय रोग से संबंधित समस्त प्रकार के रोगो का उपचार व सर्जरी पूर्णतः निःशुल्क होता है। यहां छत्तीसगढ़ सहित देश-विदेश के दम्पति अपने बच्चों का उपचार कराने आते हैं। हॉस्पिटल प्रबंधन से मिली जानकारी अनुसार इन तीन बच्चों में से दो बच्चे झारखंड और एक बच्चा मध्यप्रदेश से हृदय की सर्जरी के लिए आये थे। इन तीनों बच्चो को सफलता पूर्वक सर्जरी पश्चात घर भेज दिया गया हैं। वही मंगलवार को हॉस्पिटल प्रबंधन पीपला फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर इनके द्वारा प्रशस्ति पत्र जीवन का उपहार प्रदान कराया। संस्थान के ट्रस्ट ऑफिसर जगदीश राव ने बताया कि सभी बच्चों को सफलता पूर्वक सर्जरी पश्चात डिस्चार्ज के समय एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है जिसे जीवन का उपहार नाम दिया गया है।

---

# आरंग विस के 5 गांवों में खुलेंगी शराब की नई दुकानें, निविदा जारी

**आरंग।** रायपुर जिले में 7 नयी शराब दूकाने खोलने का निर्णय ले इन स्थलों के इच्छुक भवन/परिसर मालिकों से शराब दूकान खोलने निविदा आमंत्रित कर दिया गया है। जिले में कुल 7 शराब दूकान खोला जाना है जिसमें से 5 आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्रामों में है, शराब दूकान खोलने के अफवाह मात्र से ही पूर्व में आंदोलित हो चुके इस विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खौली सहित पलौद व नया रायपुर सेक्टर 9 में कंपोजिट देशी मदिरा दूकान व भैंसा तथा समोदा में कंपोजिट विदेशी मदिरा दूकान जहां खुलेगा वहीं अन्य विधानसभा क्षेत्र के एक ग्राम टेमरी में कंपोजिट विदेशी मदिरा दूकान व एक ग्राम दोदेखुर्द में कंपोजिट देशी मदिरा दूकान खुलेगी। कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) के नाम से उपायुक्त आबकारी के हस्ताक्षर से बीते कल 10 जून को जारी निविदा में आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ के द्वारा जारी किये गये बीते 2 जून के आदेश का हवाला देते हुये जारी निविदा में इन ग्रामों में शराब दूकान हेतु जगह मुहैया कराने के इच्छुक व्यक्तियों से अपने भवन/परिसर के मालिकाना हक के दस्तावेज सहित रेट सीलबंद लिफाफा में आसन्न 2 जुलाई तक जमा करने कहा गया है और उसी दिन निविदा खोलने की भी जानकारी दी गयी है। शराब विरोधी मुहिम से जुड़े किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा ने इस सरकारी फरमान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि बीते 31 मई को चलाये जा रहे सरकारी सुशासन तिहार के समापन के बाद अब लग रहा है कि प्रशासन ने कुशासन त्यौहार मनाने की शुरुआत कर दी है।

---

## आम सूचना

दिनांकः- 11.06.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार विकास श्रीवास्तव पिता श्री मुन्ना लाल श्रीवास्तव, निवासी एचबीडी/ जी-3, सिंचाई कॉलोनी, रामपुर, कोरबा (छ.ग.) ने विक्रेता बी कुणाल पिता श्री हरिनारायण राव, निवासी ग्रीन गेलेरी, कचना, रेल्वे क्रॉसिंग, खम्हारडीह, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य का फ्लैट वाके मौजा ग्राम शंकर नगर (महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रं.- 28), प.ह.नं.- 110/40 तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. 1211/22, फ्लैट नं.- सी-102, ब्लॉक नं.- सी (प्रथम तल), सुपर बिल्डअप एरिया 1064 वर्गफुट है को क्रेता क्रय करने का पक्का सौदा कर अग्रिम ब्याना राशि विक्रेता को अदा कर दिया है, अब मात्र पंजीकृत विक्रय विलेख का निष्पादन किया जाना मात्र शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार से जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, बोर्ड, निगम, वित्तीय संस्था, बैंक, फर्म, सोसायटी आदि को कोई दावा या आपत्ति, उजर है तो इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मय दस्तावेज सहित आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे, बाद मयाद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर मान्य एवं बंधनकारी नहीं होगा, तथा उक्त संबंध में की गई कोई भी आपत्ति अवैध व शून्य समझा व माना जावेगा। सो सूचना जाने।

भवदीय
**छबिराम साहू**
**नोटरी /अधिवक्ता सिविल कोर्ट**
**उपरवारा, सेक्टर 34, नवा रायपुर (छ.ग.), मोबा. नं.- 90096-31623, 8349443377**

---

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

## आम सूचना

दिनांक 09/06/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय अग्रवाल पिता जी.एस. अग्रवाल निवासी अवंतिविहार रायपुर की ग्राम हथबंध प.ह.नं. 33 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी की भूमि खसरा नंबर 19/3 रकबा 0.103 हे. 55/22 रकबा 0.104 हे. कुल रकबा 0.207 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक .../वाचक/तह./2024 के आदेश दिनांक 27/01/2025 के परिपालन में दिनांक 17/06/2025 को समय 12:00 PM बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 33 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-19 (धनेली)

---

## आम सूचना

**ग्राम शंकर नगर, प.ह.नं. 110 / 63 स्थित सम्पत्ति के संबंध मे**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री विजय कुमार अरोरा पिता श्री हरवंश लाल अरोरा निवासी मकान नंबर 39, कृष्णा शापिंग मॉल के पीछे चैतन्य नगर रायगढ़ छ.ग. वाले के स्वामित्व एवं आधिपत्य की सम्पत्ति परिवर्तित भूमि शीट नंबर-21, प्लॉट नंबर-3, खसरा नंबर 20/19, का रकबा 6003 वर्गफुट भूमि जिस पर तलघर में 2808 वर्गफुट में पार्किंग, भूतल पर 2808 वर्गफुट में दुकान, प्रथम तल में 3282 वर्गफुट में कार्यालय, द्वितीय तल में 3282 वर्गफुट में कार्यालय, तृतीय तल में 3282 वर्गफुट में कार्यालय, चतुर्थ तल में 1367 वर्गफुट में कार्यालय निर्मित है जिसे ममता बिजनेस पार्क के नाम से जाना जाता है जो वाके मौजा शंकरनगर, प.ह.नं. 110/63, रा.नि.मं. रायपुर, नेताजी सुभाष चंद बोस वार्ड क्रमांक 29 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मे शेमराक स्क्वेयर बाजू में स्थित है, को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है। बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त सम्पत्ति के सौदे / विक्रय के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, बैंक, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभाग को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित उजर दावा या आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन के 10 दिनों के भीतर मेरे समक्ष प्रस्तुत करे, आम सूचना का खण्डन मात्र आपत्ति के रूप में स्वीकार नहीं होगा । बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष मे करा लिया जावेगा एवं तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी भी नहीं होगी ।

सो सूचना जाने ।

दिनांक - 11/06/2025
स्थान- रायपुर छ.ग.

भवदीय
**डी. पी. वर्मा / भरत खाखरिया (अधिवक्तागण )**
**पता राज टाकिज के पास होटल लक्ष**
**रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग.**
**मो. नं. - 97707-88855**

---

## आम सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विक्रेता- नेल्सन बेनेट पिता जानसन बेनेट, निवासी- गली नं.- 02, श्याम नगर, वार्ड नं. - 42, रायपुर तहसील व जिला- रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- धरमपुरा, प.ह.नं.- 78, रा.नि.मं.-रायपुर-20 सेरीखेड़ी, तहसील व जिला- रायपुर छ.ग. स्थित भूमि ख.नं. - 252/1, 252/62 रकबा क्रमशः 0.0290 हेक्टेयर, 0.0210 हेक्टेयर कुल खसरा- 2, कुल रकबा 0. 0500 हेक्टेयर को मेरे पक्षकार प्रशांत पटेल पिता मनमोहन पटेल, निवासी-ग्राम- धरमपुरा, थाना- माना कैम्प, तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना की राशि अदा कर दिया है तथा केवल बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित संव्यवहार से या उक्त सौदे पर किसी भी व्यक्ति संस्था, निकाय, बैंक बीमा, वित्तीय संस्था, आर.डी.ए, शासन, प्रशासन निगम इत्यादि अन्य को किसी भी प्रकार की उजर या आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिन के अंदर मेरे समक्ष लिखित मय दस्तावेज के अपने आपत्ति दर्ज करावें बाद म्याद उपरोक्त संपत्ति का बैनामा पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में करवा लिया जायेगा, तथा बाद म्याद प्रस्तुत की गयी आपत्ति उजर या दावा एवं झूठी व विधि विरुद्ध मानी जावेगी, एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

रायपुर छ.ग.

दिनांकः- 11/06/2025

भवदीय
**जे.एल. सोनबेर, मुकेश साहू (अधिवक्तागण)**
**बार रूम नं.-103, टेबल नं.- 02, नई बिल्डिंग, प्रथम तल, जिला न्यायालय परिसर, रायपुर (छ.ग.)**
**मो.नं. - 98938- 09980**

---

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर- 05 (भनपुरी) तहसील व जिला रायपुर

## सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 10.06.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अंजू तिवारी वगै. पति स्व.योगेश तिवारी निवासी ग्राम घठुला, थाना सिहावा जिला धमतरी द्वारा आवेदित ग्राम गोंदवारा प.ह.नं. 37 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर- 05 (भनपुरी) स्थित भूमि खसरा नंबर 587/24 शामिल 588/9 रकबा क्रमशः 0.0220 हेक्टेयर सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के ज्ञापन क्र. क/वाचक/अति. तह. / वर्ष 2025 रायपुर के आदेश दिनांक 27.05.2025 के परिपालन में दिनांक 24.06.2025 को समय 1:00 बजे पश्चात् किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 37 के गोंदवारा स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर- 05 (भनपुरी)

---

## शपथपत्र

मैं शिवज्ञानी पाण्डेय SHIVGYANI PANDEY उम्र 76 वर्ष पिता स्व. रामचंद्र पाण्डेय निवासी शिवानंद नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूं:-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपर वर्णित अनुसार सत्य एवं सही है ।
2. यह कि मेरे आधार कार्ड व पेन कार्ड मे मेरा नाम शिवज्ञानी पाण्डेय SHIVGYANI PANDEY अंकित है।
3. यह कि मेरे पुत्र के पासपोर्ट में मेरा नाम त्रुटिवश शिवोज्ञानी पाण्डेय SHIOGYANI PANDEY अंकित है।
4. यह कि दोनों ही स्पेलिंग SHIVGYANI PANDEY एवं SHIOGYANI PANDEY एक ही व्यक्ति के अर्थात मुझ शपथकर्ता के है।
5. यह कि किसी प्रकार के गलत कथन की समस्त जवाबदारी मुझ शपथकर्ता की होगी।
6. यह कि उक्त कथनों की सत्यता में यह शपथपत्र प्रस्तुत किया जा रहा है।

शपथकर्ता

सत्यापन- शपथपत्र की कंडिका 01 से 06 सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 03/06/2025

---

## //शपथ पत्र //

मैं श्रीमती रूखमणी साहू उम्र 42 वर्ष पिता कवल सिंग /पति श्री जेठू राम साहू जाति तेली निवासी ग्राम जलसो पोस्ट टंडवा थाना व तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर छ.ग. की निवासी हूं जो कि मैं निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूँ कि:-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते की निवासी हूँ ।
2. यह कि मुझे अपने नाम के संबंध में सही जानकारी देना है जिसके लिए उक्त शपथ पत्र की आवश्यकता हुई है।
3. यह कि मेरा वास्तविक व सही नाम रूखमणी साहू पति श्री जेठू राम साहू है जो कि मेरे समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय दस्तावेज जैसे आधार कार्ड क्र. 4608 4491 9998 में तथा अन्य दस्तावेजों में दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है । परंतु मेरे संयुक्त स्वामित्व की भूमि ग्राम जलसो प.ह.न. 12 रा.नि.म. व तहसील तिल्दा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका कुल खसरा क्र. 11 का कुल रकबा 1.1410 हे. भूमि स्थित है जिसके राजस्व अभिलेख में सतवंतीन बाई पिता कवल सिंग नाम दर्ज है जो कि मेरे विवाह के पूर्व का नाम है।
4. यह कि उक्त दोनों नाम रूखमणी साहू एवं सतवंतीन बाई दोनों नाम मेरे स्वंय के ही नाम है तथा मुझे उक्त दोनों नाम से जाना, पहचाना एवं संबोधित किया जाता है तथा मेरे स्वामित्व की भूमि के राजस्व अभिलेख, ऑनलाईन रिकार्ड में दर्ज नाम सतवंतीन बाई के स्थान पर मेरा विवाह के पश्चात का नाम रूखमणी साहू नाम दर्ज किये जाने के संबंध में उक्त शपथ पत्र प्रस्तुत है।
5. यह कि यह शपथ पत्र श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है इस संबंध में जो भी नियम व शर्ते होगा उसे मैं पालन करने के लिए बाध्य रहूंगी तथा मेरे द्वारा दी गई संपूर्ण जानकारी पूर्णतः सत्य एवं सही है अगर भविष्य में दी गई जानकारी झूठा एवं असत्य पाई जाता है तो मेरे विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है जिसके लिए मैं स्वंय जिम्मेदार रहूंगी।

सत्यापन — शपथकर्ता

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करती हूं कि शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक का कथन मेरी जानकारी के अनुसार पूर्ण सत्य एवं सही है तथा किसी भी तथ्य को छिपाया नही गया है जिसे पढ़कर, सुनकर, समझकर आज दिनांक 29/05/2025 को मुकाम तिल्दा में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित कि हूं।

रूखमणी
शपथकर्ता

---

## //शपथ पत्र //

मैं श्रीमती राधिका बाई साहू उम्र 47 वर्ष पिता कवल सिंग / पति श्री परदेशी राम साहू जाति तेली निवासी ग्राम जलसो पोस्ट टंडवा थाना व तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर छ.ग. की निवासी हूं जो कि मैं निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूँ कि :-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते की निवासी हूँ।
2. यह कि मुझे अपने नाम के संबंध में सही जानकारी देना है जिसके लिए उक्त शपथ पत्र की आवश्यकता हुई है।
3. यह कि मेरा वास्तविक व सही नाम राधिका बाई साहू पति श्री परदेशी राम साहू है जो कि मेरे समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय दस्तावेज जैसे आधार कार्ड क्र. 3185 5554 7005 में तथा अन्य दस्तावेजों में दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है । परंतु मेरे संयुक्त स्वामित्व की भूमि ग्राम जलसो प.ह.न. 12 रा.नि.म. व तहसील तिल्दा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका कुल खसरा क्र. 11 का कुल रकबा 1.1410 हे. भूमि स्थित है जिसके राजस्व अभिलेख में राम्हीन बाई पिता कवल सिंग नाम दर्ज है जो कि मेरे विवाह के पूर्व का नाम है ।
4. यह कि उक्त दोनों नाम राधिका बाई साहू एवं राम्हीन बाई दोनों नाम मेरे स्वंय के ही नाम है तथा मुझे उक्त दोनों नाम से जाना, पहचाना एवं संबोधित किया जाता है तथा मेरे स्वामित्व की भूमि के राजस्व अभिलेख, ऑनलाईन रिकार्ड में दर्ज नाम राम्हीन बाई के स्थान पर मेरा विवाह के पश्चात का नाम राधिका बाई साहू नाम दर्ज किये जाने के संबंध में उक्त शपथ पत्र प्रस्तुत है।
5. यह कि यह शपथ पत्र श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है इस संबंध में जो भी नियम व शर्ते होगा उसे मैं पालन करने के लिए बाध्य रहूंगी तथा मेरे द्वारा दी गई संपूर्ण जानकारी पूर्णतः सत्य एवं सही है अगर भविष्य में दी गई जानकारी झूठा एवं असत्य पाई जाता है तो मेरे विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है जिसके लिए मैं स्वंय जिम्मेदार रहूंगी।

सत्यापन — शपथकर्ता

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करती हूं कि शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक का कथन मेरी जानकारी अनुसार पूर्ण सत्य एवं सही है तथा किसी भी तथ्य को छिपाया नही गया है जिसे पढ़कर, सुनकर, समझकर आज दिनांक 29/05/2025 को मुकाम तिल्दा में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित कि हूं।

राधिका बाई साहू
शपथकर्ता

---

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

## खबर संक्षेप

### शहीद आकाश का बलिदान देश और समाज के लिए अपूर्णीय क्षति

**रायपुर।** सुकमा में नक्सली हमले में शहीद हुए रायपुर निवासी एडिशनल एसपी आकाश राव गिरेपूंजे के निवास पर पहुंचकर आज जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रेणु जोगी और प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने शोक संतप्त परिवार के साथ भेंट की और शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान डॉ. रेणु जोगी ने कहा, शहीद आकाश राव की वीरता और देश सेवा की भावना हमेशा अमर रहेगी। नक्सलवाद जैसी समस्या से लड़ते हुए उनका बलिदान राज्य और राष्ट्र के लिए अपूर्णीय क्षति है। हम उनके परिवार के दुःख में शामिल हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शहीद के परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे। प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने शहीद के साहस को सलाम करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ की शांति और सुरक्षा के लिए शहीद आकाश राव का योगदान सदैव याद किया जाएगा।

### रावांभाठा स्वास्थ्य केंद्र के लापरवाह डॉक्टर पर कड़ी कार्रवाई की मांग

**रायपुर।** बीरगांव ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष योगेन्द्र सोलंकी एवं पार्षद इकराम अहमद ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि रावांभाठा स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही एवं रात्रिकालीन ड्यूटी से गायब रहने वाले डॉक्टरों की वजह से रावांभाटा निवासी साक्षी निषाद की मृत्यु हो गई। लापरवाह स्वास्थ्यकर्मियों एवं डॉक्टरों पर कड़ी कानूनी कार्रवाइ एवं नवजात बच्चे की परवरिश व पढ़ाई का खर्च सरकार द्वारा उठाने की मांग को लेकर सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री पंकज शर्मा के नेतृत्व में बीरगांव के जनप्रतिनिधि कलेक्टर रायपुर से मुलाकात करेंगे।

### डीएपी खाद की कमी से किसानों में हाहाकार

**रायपुर।** जिले के किसान इस समय डीएपी खाद की भारी कमी से परेशान हैं। डीएपी खाद की समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष उधोराम वर्मा सहित किसानों ने तत्काल खाद का भंडारण करने की मांग शासन से की है। साथ ही अविलंब भंडारण नहीं होने पर किसानों के साथ सड़क की लड़ाई लड़ी जाएगी। इसके अलावा समितियों में नगाड़ा बजाकर सरकार को जगाया जाएगा। श्री वर्मा ने बुधवार को विभिन्न गावों के किसानों से मुलाकात की, सभी किसानों ने खाद नहीं मिलने से आक्रोशित है। इसके बाद सद्दू, टेकारी, दोंदेकला, सारागांव, सिलयारी, बंगोली, गनियारी, आसौदा, बूढ़ेनि, फरहदा, बडेरा, माठ, खरोरा, कनकी, कुम्हारी, छड़ियां, पचरी, कुम्हारी सभी समितियों का निरीक्षण करने पर किसानों से चर्चा करने पर पता चला कही भी खाद नहीं है, बहुत से समितियों में बीज भी नहीं है।

# मूणत ने चौपाटी, स्वीमिंग पूल का लिया जायजा, सफाई में कोताही पर नाराज

## वंदना आटो से एनआईटी मार्ग पर चल रहे विकास कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने जीई मार्ग पर वंदना आटो से एनआईटी तक चल रहे विकास कार्यो की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय महापौर मीनल चौबे, निगम आयुक्त विश्वदीप, सभापति सूर्यकांत राठौर उपस्थित रहे।

स्थल निरीक्षण के समय अंतराष्ट्रीय स्वीमिंग पूल के आसपास सफाई व्यवस्था लचर होने पर राजेश मूणत ने नाराजगी जताई। वहीं अनुपम गार्डन के पास गंदगी मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिसर की साफ-सफाई का नियमित निरीक्षण किया करें। इस दौरान अनुपम गार्डन की साइड रोड पर स्थित दुकानों को उचित रूप से व्यवस्थित करने निर्देश

स्वीमिंग पूल के आसपास मिली गंदगी

सूत्रों के मुताबिक नगर निगम के जीई रोड स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल के गुणवत्ता को लेकर जन शिकायत मिलने पर श्री मूणत वस्तुस्थिति जानने पहुंचे वहां की साफ-सफाई को लेकर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। इसके बाद वे कला केन्द्र परिसर का निरीक्षण करने गये। श्री मूणत ने कहा कि शहर के विकास के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। सौंदर्यीकरण, खेल सुविधाएं और सार्वजनिक स्थानों को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है। इससे रायपुर को एक नया स्वरूप मिलेगा। महापौर मीनल चौबे ने इस मौके पर कहा कि शहरवासियों को अच्छी सुविधाएं मिले, इसके लिए नगर निगम पूरी मेहनत से काम कर रहा है। नई चौपाटी और स्वीमिंग पूल जैसे प्रोजेक्ट रायपुर को और बेहतर बनायेंगे।

निरीक्षण के दौरान लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, जोन 7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, पार्षद आनंद अग्रवाल,अपर आयुक्त यू.एस अग्रवाल, विनोद पांडे, अधीक्षण अभियंता यूके धलेंद्र, राजेश राठौर, जोन 5 कमिश्नर खीरसागर नायक, जोन 7 कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, अंशुल शर्मा जूनियर, ईश्वर लाल टावरे मौजूद रहे।

दिए। दरअसल, बुधवार की सुबह शहर में चल रहे विकास कार्यों की वस्तुस्थिति जानने पश्चिम विधायक राजेश मूणत महापौर मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौर तथा निगम अधिकारियों के साथ पैदल निकले। इसकी शुरुआत राजकुमार कालेज के सामने वाले मार्ग से हुई। इसके बाद टीम एनआईटी मार्ग के आगे हो रहे सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण करने पहुंची। साथ ही आमानाका ब्रिज के नीचे प्रस्तावित नई चौपाटी स्थल पहुंचकर कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। श्री मूणत ने नई चौपाटी का कार्य जल्द पूरा करने निर्देश दिये। इसके बाद साइंस कालेज के सामने वाली वर्तमान चौपाटी स्थल गये जहां साफ-सफाई की व्यवस्था सही नहीं पाये जाने पर महापौर मीनल चौबे ने अनुबंधित ठेकेदार को सफाई व्यवस्था सुधारने निर्देश दिये।

## अपेक्स बैंक के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता का पदभार ग्रहण कार्यक्रम

# साय ने कहा- सहकारिता को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य कर रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड़ने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने कहा, नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में हमने दुधारू पशु वितरण का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश के 6 जिलों का चयन कर हितग्राहियों को दो-दो दुधारू गाय वितरित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा का वर्चुअल शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा,

### सत्य साईं अस्पताल को 2.25 करोड़ की सहायता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में कार्यक्रम में मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड ने सीएसआर गतिविधियों के तहत राजधानी रायपुर के सत्य साईं हृदय चिकित्सालय को 2.25 करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

प्रदेश के किसानों और ग्रामीण जनों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की एक बड़ी पहल हमने इस वर्ष पंचायती राज दिवस से प्रारंभ की है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले गए हैं, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत भवन में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि अगले पंचायती राज दिवस तक यह सुविधा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध हो जाएगी, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

### अपैक्स बैंक सबसे शक्तिशाली संगठन : डॉ. रमन

अपेक्स बैंक प्रदेश में 40 हजार करोड़ रुपए के टर्नओवर के साथ सबसे शक्तिशाली संगठन है और इसके माध्यम से अब तक 7 हजार 5 सौ करोड़ रुपए का ऋण किसानों को उपलब्ध कराया गया है। डॉ. सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से देश के हर एक नागरिक को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया और इसी का परिणाम है कि आज बिना किसी बिचौलिए के शत-प्रतिशत राशि सीधे हितग्राहियों के खाते में प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा, सहकारिता के क्षेत्र में अभी भी अपार संभावनाएं हैं और शत-प्रतिशत किसानों को सहकारिता और अपेक्स बैंक से जोड़ने का काम शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया।

### किसानों को बिना ब्याज मिल रहा अल्पकालिक ऋण

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में हुए बड़े बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, उस समय किसानों को अल्पकालिक ऋण के लिए भारी-भरकम ब्याज दर से मुक्ति दिलाई और ब्याज दरों को लगातार कम कर किसानों को राहत दी। अब किसानों को कृषि कार्यों के लिए बिना किसी ब्याज के अल्पकालिक ऋण उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा खुलने पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा, अब किसानों को बैंकिंग सुविधा के लिए 50-60 किलोमीटर दूर पत्थलगांव नहीं जाना पड़ेगा।

### सहकारिता को अंतिम गांव तक पहुंचा रहे मुख्यमंत्री

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता का बीजारोपण करने वाले महान विभूतियों को पुण्य स्मरण करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ में श्री वामनराव लाखे और ठाकुर प्यारेलाल जैसे पुरोधाओं ने सहकारिता की नींव रखी, जिसका विकसित स्वरूप आज हम सभी देख रहे हैं। यह वर्ष सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष है, और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रयासों से निश्चित रूप से इस क्षेत्र में चमत्कारिक परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों से प्रदेश के किसानों के जीवन में खुशहाली आई है।

# आकाश के परिजन को अनुकंपा पर सरकार करेगी विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुकमा में आईआईडी विस्फोट में शहीद हुए एएसपी आकाश राव गिरेपुंजे के परिजन को अनुकंपा नियुक्त देने पर सरकार विचार करेगी। बताया गया है, अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होने से पहले नियमानुसार शासकीय औपचारिकत पूरी की जाएगी। इस काम में कुछ समय लगने की संभावना है।

उच्च पदस्थ पुलिस सूत्रों के अनुसार इस मामले में फिलहाल पुलिस सबसे पहले घटना स्थल पर जांच करने में जुटी है। मौके पर फोरेंसिक साइंस से संबंधित अधिकारी साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं। इसके आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट राज्य शासन को दी जाएगी। घटना का पूरा ब्योरा विधिवत सामने आने के बाद सरकार अनुकंपा नियुक्त देने के संबंध में प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी।

### परिजनों से होगी बात

बताया गया है कि अनुकंपा नियुक्ति देने से पहले शहीद के परिजनों से अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने के संबंध में उनके विचार लिए जाएंगे। उनके पात्र परिजन अगर अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए राजी होते हैं, तो सरकार ये तय करेगी कि किस पद पर नियुक्ति दी जानी उचित होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व में राजनांदगांव के पूर्व एसपी वीके चौबे, कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा, पुलिस अधिकारी भास्कर दीवान सहित कुछ अन्य शहीद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सरकार नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति दे चुकी है, लेकिन फिलहाल सवाल ये है कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के शहीद होने पर उनके परिजन को कौन सा पद दिया जा सकता है, इस बारे में बाद में स्थिति साफ होगी।

## बैज ने कहा- मोदी सरकार के 11 साल में देश की अर्थव्यवस्था हुई चौपट

**रायपुर।** मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने पीएम मोदी के 11 साल पूरे होने पर भाजपा के संकल्प से सिद्धि अभियान को लेकर कहा, भाजपा 11 साल की नाकाम उपलब्धियों का झूठ जनता को परोस रही है। मोदी जुमले की सरकार चला रहे हैं। 11 साल में मोदी सरकार हर क्षेत्र में विफल हुई। मोदी सरकार के 11 साल पर सवाल उठाते हुए कहा, देश की विकास दर 6 प्रतिशत से कम हुई है। मेक इन इंडिया फेक इन इंडिया साबित हुआ है। मोदी सरकार देश की अर्थव्यवस्था को डुबाने में लगी है। 11 साल में देश की अर्थव्यवस्था चौपट कर दी है। राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने कहा, मोदी सरकार ट्रिलियन इकॉनामी की बात करती है, यहां प्रति व्यक्ति आय में भारत कही नहीं है। हंगर इंडेक्स में भारत 105वें स्थान पर है।

# कैमिकल गोदाम में आग, गली संकरी होने की वजह से फायर कंट्रोल करने में हुई परेशानी

## स्टेशन रोड स्थित सत्कार गली में जहां आग लगी वह घनी आबादी वाला इलाका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गंज थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित सत्कार गली में दो मंजिला कैमिकल गोदाम में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की घटना सवा आठ से साढ़े आठ बजे के बीच की है। आग लगने का कारण अज्ञात है। देर रात फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। जहां आग लगी थी, वहां तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी निकालने ड्राइवर को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस वजह से आग पर काबू पाने घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

पुलिस के अनुसार लक्ष्मी कैमिकल में आग लगने की घटना हुई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ तथा नगर निगम के अफसर मौके पर पहुंच गए। आग से किसी तरह से बड़ी अनहोनी टालने एरिया की बिजली बंद की गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की जो गाड़ियां आग पर काबू पाने पहुंची थीं, गाड़ी को गली से बाहर निकालने मोड़ने के लिए जगह नहीं मिल पा रही थी। इस वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ी को बैक कर निकालना पड़ रहा था। इसके अलावा गली के अंदर बने मकानों के आजू-बाजू छज्जा निकला हुआ था। इस वजह से गली के अंदर फायर ब्रिगेड की गाड़ी ले जाने में परेशानी हो रही थी। गोदाम के अंदर की दीवाल तथा दरवाजा तोड़ने जेसीबी की मदद लेने पड़ी।

# संवैधानिक हक के लिए 16 सामाजिक संगठनों ने एक साथ मिलकर दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर बुधवार को संवैधानिक हक के लिए 16 सामाजिक संगठनों ने एक साथ मिलकर राज्य व्यापी धरना दिया। 10 सूत्रीय मांगों के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने बड़ी संख्या में दूरदराज से सर्व समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे। पदोन्नति में आरक्षण और 25 सालों से बैकलाग पदों पर भर्ती नहीं किये जाने से नाराज समाज जनों ने संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी को लेकर जमकर नाराजगी जताई।

प्रदेश स्तरीय धरना में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, जनजाति, जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ अजाक्स, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ एवं सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति सामाजिक संगठन के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

### पदोन्नति के बिना रिटायर हो गये 30 से 40 हजार कर्मचारी

धरना प्रदर्शन में शामिल अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ के प्रांताध्यक्ष आरएन ध्रुव, अजाक्स के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण भारती का कहना है कि वर्ष 2019 से पदोन्नति में आरक्षण नहीं मिलने से प्रदेशभर में 30 से 40 हजार कर्मचारी बिना पदोन्नति के रिटायर हो गये। यही नहीं, आरक्षित श्रेणी के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी, अधिकारी को पदोन्नति दे दी गयी। पदाधिकारी द्वय ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि संवैधानिक प्रावधान का पालन नहीं किया गया है। पिछले 25 साल से पदोन्नति में बैकलाग भर्ती नहीं की गयी, जबकि 2 बार सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में सरकार को आदेश भी दिया। इसके बाद भी पदोन्नति में आरक्षण नहीं दिया गया। एक तरह से यह दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ अजाक्स के प्रांतीय महासचिव पीएल महिपाल ने कहा कि आरक्षण रोस्टर का पालन कई विभागों में नहीं हो रहा है। इसके साथ ही जाति प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाना चाहिए।

## बिजनेस साइट

# जगदीश कुमार दानी स्कूल में एलुमनी मीट का आयोजन

**रायपुर।** पुरानी बस्ती स्थित जगदीश कुमार दानी स्कूल में एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इस खास अवसर पर 1989 से 2000 बैच तक के लगभग 250 पूर्व छात्र-छात्राएं स्कूल परिसर में एकत्र हुए और बचपन की सुनहरी यादों में खो गए। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत से हुई, जिसके बाद स्कूल की सचिव एवं पूर्व प्राचार्य पुष्पा अग्रवाल ने उपस्थित सभी अतिथियों को संबोधित किया। उन्होंने छात्रों को जीवन में संकल्प, अध्ययन और समर्पण के महत्व की सीख दी और कहा कि पुराने छात्र अपने अनुभवों से स्कूल को नई दिशा दे सकते हैं। एलुमनी मीट में पूर्व छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। नृत्य, संगीत और खेल गतिविधियों से स्कूल का परिसर एक बार फिर जीवंत हो उठा। इस आयोजन में पुराने शिक्षकों को भी आमंत्रित किया गया और उनका सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

## पेज 11 के शेष

### बीएड-डीएलएड के लिए दावा ....

महाविद्यालय संचालकों का कहना है। उनके अनुसार, इस बार बीएड-डीएलएड पाठ्यक्रम के लिए छात्रों की ओर से अधिक पूछताछ नहीं हो रही है।।गौरतलब है कि युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में 10 हजार से अधिक स्कूल मर्ज हुए हैं। शिक्षकों के 43 हजार पद भी समाप्त हो गए हैं। जहां शिक्षकों के पद रिक्त हैं, वहां अतिशेष शिक्षकों को भेजा रहा है।

### प्रवेश परीक्षा में भी ....

चार महाविद्यालयों की मान्यता नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजूकेशन द्वारा रद्द की गई थी, उन्होंने मान्यता बहाल करने अब तक अर्जी नहीं दी है। ऐसे में बीएड-डीएलएड सीटों में कटौती हो सकती है।

### तापमान में गिरावट ....

एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी से आंध्र प्रदेश तट के ऊपर बना हुआ है। एक द्रोणिका उत्तर पूर्व राजस्थान से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ होते हुए पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी तक मौजूद है।

### शेयर ट्रेडिंग में ....

जालसाजी में शामिल दो जालसाज फरार हैं। गुढ़ियारी निवासी हेमंत कुमार जैन की शिकायत पर पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने के आरोप में आंध्रप्रदेश, ईस्ट गोदावरी निवासी शेख बाबा, गुजरात, अहमदाबाद निवासी अशोक खैराती लाल, गुजरात, पाटण निवासी प्रियांक ब्रम्हभट्ट तथा झारखंड, हजारीबाग निवासी नागेंद्र कुमार महतो को गिरफ्तार किया है। शेख बाबा ने एमबीए की पढ़ाई की है। इसके अलावा प्रियांक आईटी एक्सपर्ट है। नागेंद्र तथा खैराती लाल ट्रांसपोर्ट तथा वेयर हाउस संचालन कारोबार से जुड़े हैं।

### ठगी के पैसों ....

वेयर हाउस बनाने में खर्च किया है। जालसाजों को पहले से आशंका थी कि वे जल्द ही पकड़े जाएंगे, इसलिए वे बार-बार लोकेशन चेंज कर एक राज्य से दूसरे राज्य जाकर छिप रहे थे।

### दवा निगम में अभी भी ....

काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी अभी भी खौफजदा हैं। सीजीएमएससी के कार्यालय में अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है, जिसका असर उनके नियमित कामकाज पर भी हो रहा है। सीजीएमएससी पर प्रदेश के तमाम सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी दवा, उपकरण और विभिन्न तरह के रीएजेंट पहुंचाने की जिम्मेदारी है, जो पूरी नहीं हो पा रही है। दवा कार्पोरेशन अस्पतालों में मौजूद दूसरी कंपनियों की जांच मशीनों के रीएजेंट खरीदी के लिए दो से तीन बार टेंडर जारी कर कैंसिल कर चुका है।

### पिछली बार 1200 ....

है। इनमे डायक्लोफैनिलक प्लस पैरासीटामोल टेबलेट, एंजियोथ्रोमाइन टेबलेट, सेट्रीजीन सीरप, एलबेंडाजोल की टेबलेट शामिल है।

### बेरोजगारी का ग्राफ ....

क्योंकि वर्ष 2016 में पंजीकृत बेरोजगारों का आंकड़ा 18 हजार के करीब था, जिसके साल खत्म होने तक एक लाख के करीब पहुंचने की संभावना है। यह आंकड़ा बताता है कि हर साल औसतन 8 हजार से ज्यादा बेरोजगार नौकरी की उम्मीद लिए रोजगार कार्यालय में पंजीकरण कराते हैं, लेकिन शासकीय नौकरी तो दूर, निजी सेक्टर में भी योग्यता के अनुसार मनचाही नौकरी नहीं मिल पा रही है।

### कई वर्षों से ....

है। इसके बाद भी इन विभागों में खाली पदों को भरने के लिए वैकेंसी तक नहीं निकाली गई है। इनमें रोजगार कार्यालय सहित खनिज विभाग, आबकारी, कृषि, राजस्व, पुलिस के अलावा कई अन्य विभाग हैं।

### बेरोजगारों में 45 ....

पंजीकृत बेरोजगारों में अनुसूचित जाति वर्ग के 13760, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 2293, अन्य पिछड़ा वर्ग के 50453, अपंग 688, अल्पसंख्यक 459 तथा 8715 भूतपूर्व प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं।

02

गुरु पथ पर चलते हुए दर्शन के लिए ...

## लाइव इवेंट

## संत कबीर जयंती पर कबीर कला प्रदर्शनी का आयोजन, चित्रों में सदाचार का संदेश

**रायपुर।** संत कबीर साहेब की जयंती पर महाकोशल कला परिषद द्वारा कबीर कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। महाकोशल कला वीथिका में आयोजित प्रदर्शनी में कबीर साहेब के जीवन गाथा पर आधारित विषयों पर कलाकारों द्वारा चित्र तैयार किया गया है। इसमें कबीर का पशु-पक्षियों के प्रति वात्सल्य, कबीर का प्रकृति प्रेम भाव, सामाजिक बुराइयों, दैनिक जीवन में सदाचार का संदेश जैसे विषयों पर चित्र तैयार किया गया है। जिसमें बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर, पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर, माखी गुड़ में गडी रहे, पंख रहे लिपटाए, हाथ मेल और सर धुनें, लालच बुरी बलाय' का संदेश भी दिया गया है।

### अन्य राज्यों से लिया प्रतिभागियों ने हिस्सा

कलाकारों ने चित्र के माध्यम से समाज के प्रति व्यक्तियों की जिम्मेदारियों का एक अनोखा संदेश तैयार किया है, ताकि लोगों को सदाचार के प्रति प्रोत्साहित किया जा सके। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुमनेष वत्स उपस्थित रही। दो दिवसीय प्रदर्शनी के अंतिम दिन गुरुवार को शाम 5-7 बजे तक परिसर में लोगों को अवलोकन का मौका दिया जाएगा। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों से भी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, और कला का परचम लहराया है। इसमें लखनऊ से धनंजय पंवार, अहमदाबाद से माईनक भट्टाचार्य, आरंग (महासमुंद) से खुशी नेताम, धमतरी से बसंत साहू, मुंबई से दिशा ठाकुर, सांभवी शर्मा, साक्षी आकुला, विन्नती मेहता, अमृता भट्टाचार्या, अवतार सिंह भंगल, डॉ. शिखर शर्मा, प्रशांत अग्रवाल, पवित्रा नत्थानी, हनी लच्छवानी, मनीष महानंद द्वारा निर्मित चित्र मौजूद है।

● 16 जून से होने वाले शाला प्रवेश उत्सव की स्कूलों में तैयारी, पहली बार स्कूल के द्वार चढ़ेंगे नन्हें कदम

# बस्ते के बोझ से बचाने सेमेस्टर पैटर्न में पढ़ाई, बुक्स-लॉकर की सुविधा, नर्सरी से दूसरी तक होमवर्क न कराने गाइडलाइन

पहली बार स्कूल जा रहे नन्हें बच्चों के कंधों पर पहले से ही देश की भविष्य का भार है, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी बनती है कि कम से कम इन बच्चों के कंधों पर रखे जाने वाले बस्तों की वजन को तो कम किया जाए। इस दिशा में केंद्र व राज्य शिक्षा विभाग की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है, ताकि बच्चों को बस्ते के बोझ के कारण होने वाले शारीरिक परेशानी से छुटकारा दिलाया जा सके।

**रायपुर।** शिक्षा विभाग के गाइडलाइन के मुताबिक जहां एक ओर प्राइवेट स्कूलों में खासकर सीबीएससी व सीजी बोर्ड के स्कूलों में नर्सरी से लेकर 12 वीं कक्षा तक के बच्चों की पढ़ाई 3-3 महीने सेमेस्टर पैटर्न पर कराई जा रही है। साथ ही, स्कूलों में बुक्स लॉकर्स की सुविधाएं भी जा रही हैं। इधर, सरकारी स्कूलों में भी कक्षा पहली व दूसरी के बच्चों को भी होमवर्क नहीं दिया जा रहा है। इस तरह से इन स्कूली बच्चों को बैग में एक्स्ट्रा सब्जेक्ट्स की पुस्तकें व होमवर्क की कापियां बस्ते में रखकर स्कूल से घर लाने-ले जाने की झंझट ही नहीं है। हालांकि, सरकारी स्कूलों में अभी तक बुक्स लॉकर की सुविधा की शुरुआत नहीं की जा सकी है, साथ ही यहां पर सिलेबस भी छोटी है। बच्चों के विशेषज्ञ डॉक्टरों व शिक्षाविदों की शुरू से ही मानना रहा है कि स्कूली बच्चों के लिए बस्ते का बोझ शारीरिक व मानसिक विकास के लिए हानिकारक है। ऐसे में जिन भी स्कूलों में बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ाया जा रहा हो तो पैरेंट्स को तत्काल स्कूल प्रबंधन से बात करनी चाहिए। अगर स्कूल प्रबंधन बात नहीं सुनता तो शिक्षा विभाग से संबंधित स्कूलों की शिकायत करें। इसके अलावा पैरेंट्स भी बच्चों के लिए स्कूल बैग खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें की बैग हल्के व कंफर्ट पैटर्न का हो। साथ ही पानी बॉटल, टिफिन बॉक्स भी कम वजन वाले हों, ताकि कापी-किताब, पानी बॉटल, टिफिन बॉक्स मिलाकर बस्ते का वजन डेढ़ से दो किलो ग्राम से अधिक न हो पाए।

### बस्ते के बोझ कम करने गाइडलाइन का पालन

*जिले के सभी सीबीएससी व सीजी बोर्ड की प्राइवेट स्कूलों में केंद्र व राज्य शासन के द्वारा जारी गाइडलाइन के मुताबिक बच्चों के बस्ते का वजन कम करने के लिए 3-3 महीने सेमेस्टर पैटर्न में नर्सरी से कक्षा 12 वीं तक पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही सभी प्राइवेट स्कूलों में बुक्स लॉकर की सुविधा दी जा रही है। ताकि, विशेषकर नर्सरी व कक्षा1 व 2 के स्कूली बच्चों को बस्ते के बोझ से किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक कष्ट का सामना न करना पड़े।*

*-राजीव गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन*

**शाला प्रवेश उत्सव से पूर्व स्वच्छता व साफ-सफाई के आदेश :** दानी गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य हितेश दीवान ने बताया कि जिला शिक्षा विभाग से शाला प्रवेश उत्सव को लेकर आदेश हुआ है कि 16 जून से पूर्व तक स्कूल में रंग रोगन, शौचालयों व परिसर की साफ-सफाई, बिजली-पानी, कक्षा की बैठक व्यवस्था, शाला भवन का रखरखाव को ठीक किया जाए। ताकि, नव प्रवेशित छात्राओं को शिक्षण के लिए सकारात्मक वातावरण उपलब्ध हो सके।

### क्या कहता है गाइडलाइन

केंद्र सरकार व राज्य सरकार के गाइडलाइन के मुताबिक नर्सरी से कक्षा 1 व 2 के बच्चों का बस्ते का वजन डेढ़ किलो ग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए। वहीं, नर्सरी से लेकर 1 व 2 कक्षा के बच्चों को होमवर्क नहीं कराया जाएगा। जबकि केंद्रीय विद्यालयों के नियम के मुताबिक कक्षा1 व 2 के बच्चों के बस्ते का वजन 2 किलो ग्राम, तीसरी व चौथी कक्षा के बस्ते का वजन 3 किलो ग्राम, 5वीं व 8 वीं कक्षा के बस्ते का वजन 4 किलो ग्राम से अधिक नहीं हो सकता है।

### बस्ते के बोझ अधिक होने से शारीरिक विकास पर प्रभाव

स्कूली बच्चों के वजन बढ़ने से उनके कंधों व पीठ पर दर्द उभर सकते हैं। सिर में दर्द, थकावट जैसी तत्कालीन समस्याओं के साथ शारीरिक-मानिसिक विकास भी प्रभावित हो सकता है। स्कूल जाने वाले छोटे बच्चे शरीर के वजन के मुताबिक 1 से डेढ़ किलो ग्राम तक ही वजन उठा सकते हैं। इससे ज्यादा वजन शारीरिक परेशानी का कारण बन सकता है। साथ ही इस मौसम में स्कूली बच्चों के खाने-पीने को लेकर भी पैरेंट्स को विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है।

- डॉ. आकाश लालवानी, शिशुरोग विशेषज्ञ, शिशुरोग विभाग अंबेडकर अस्पताल

## सिटी इवेंट

## साइंस कैंप में ऊष्मा, धातु, केमिकल रिएक्शन ऑक्सीकरण, इनविजिबल इंक का प्रशिक्षण

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर और आईआईटी भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में 'एनचैंटिंग केमिस्ट्री' समर साइंस कैंप का आयोजन किया गया है, जिसके दूसरे दिन विद्यार्थियों ने घरेलू पदार्थ से इनविजिबल इंक पार्ट-2 का प्रयोग किया। इसमें नींबू का रस, डिटर्जेंट, ब्लीचिंग पाउडर, कोलड्रिंक्स, सोडा की मदद से प्रयोग सफलतापूर्वक दिखाया गया, जिसमें सभी ने केमिकल रिएक्शन से बदलाव भी देखा। कैंप का उद्देश्य रसायन विज्ञान की अवधारणाओं को सरल, मनोरंजक और अनुभवात्मक रूप से विद्यार्थियों तक पहुंचाना है, ताकि विज्ञान की प्रक्रिया को सरल ढंग से समझा जा सके।

### इनविजिबल इंक क्लास में वैज्ञानिक प्रयोग

प्रयोग के माध्यम से छात्रों ने एसिड और बेस की पहचान करने का मौका मिला, साथ ही व्यवहार और दैनिक जीवन में उनके उपयोग को जाना है। ग्रीष्मकालीन शिविर में कक्षा 6-8वीं तक के छात्रों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस मौके पर छात्रों ने मनोरंजन और रोचक तत्थों के साथ शिविर पूर्ण किया। विद्यार्थियों ने केमिकल वोल्केनो के वैज्ञानिक प्रयोगों को जाना। इसमें ग्लीसरीन और पोटेशियम परमैंगनेट की तीव्र प्रतिक्रिया पर आधारित ऊष्मा और ज्वाला का उत्पन्न देखने को मिला है।

### 13 जून को होगा समापन

शिविर के दौरान छात्रों ने ऊष्मा, धातु, केमिकल रिएक्शन, ऑक्सीकरण, फिस्फोटक प्रभाव, इनविजिबल इंक, अम्ल, बेकिंग सोडा, जल, प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर समझने का प्रयास किया है। यह शिविर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें आईआईटी भिलाई के प्रोफेसर मो. आलम मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस विशेष आयोजन का समापन 13 जून को होगा। रोजाना शिविर के अंत में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा।

## भरथरी के प्रति मां का स्नेह देख भावुक हुए दर्शक, संवादों ने किया मंत्रमुग्ध

**रायपुर।** गीत-संगीत के माध्यम से ही पहले लोग राजा भरथरी के जीवन प्रसंग को सुनते रहे हैं। पहली बार दर्शकों के सामने निर्देशक भूपेन्द्र साहू के प्रयास से राजा भरथरी की जीवन गाथा को नाट्य मंचन के जरिए प्रस्तुत करने का अनूठा प्रयोग किया गया। नाट्य मंचन को रंग मंदिर में देखने के लिए दर्शकों की उपस्थिति ने खास बनाया। लोकनाट्य उत्सव की श्रृंखला में बुधवार को करम के लेखा ला, मया के बंधना मा बंध के उदीम करत हे... गीत से रानी फुलवा (राजा भरथरी की मां) का मंच पर आगमन होता है। जब पता चलता है कि बेटा भरथरी 12 वर्ष की आयु में वनवास जाने वाला है, तो मां का पुत्र के प्रति प्रेम और स्नेह का भाव देखने को मिलता है। भरथरी वैराग्य की गाथा में रानी फुलवा एक अहम किरदार है, जो बच्चों के प्रति मां के मनोभाव को दर्शाता है। भरथरी गाथा को नाटकीय रूप में प्रस्तुति करने का यह प्रथम प्रयास नाटक के निर्देशक भूपेन्द्र साहू द्वारा किया गया है। भरथरी गायिका स्व. सुरुज बाई खांडे की 76वीं जयंती पर रंग सरोवर संस्था एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त प्रयास से लोक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। दो दिवसीय महोत्सव के समापन में राजा भरथरी की गाथा का मंचन किया गया। कलाकारों का सम्मान मुख्य अथिति विधायक अनुज शर्मा और पद्मश्री भारती बंधु ने किया।

### राजा ने जाना श्राप का कारण

फट जाती धरती समाए जाते मैं हो... इस पंक्ति ने लोगों को भावुक किया। रानी फुलवा संतान प्राप्ति के वियोग में जीवन की आधी उम्र बीता देती हैं। मंचीय प्रस्तुति से राजेन्द्र साहू और गंगा साहू सूत्रधार रहीं। मुख्य किरदार में राजा भरथरी के श्राप से जुड़ी कहानी का मंचन किया गया। मां की बात ना मानकर राजा भरथरी का शिकार पर जाना और काले हिरण का शिकार भी चर्चा का विषय बना। काले हिरण की पत्नियों ने भरथरी को श्राप दिया था। इसके बाद से राजा भरथरी श्राप की वजह से सुध खो देते हैं।

## सांस्कृतिक आदान- प्रदान का मंच नूतन स्कूल का समर कैंप

**रायपुर।** टिकरापारा स्थित नूतन स्कूल के समर कैंप में उत्साह का माहौल था। स्कूली बच्चों की आंखें नम थीं, कोई गले मिलकर सिसकियां भर रहा था, तो कोई ऑटोग्राफ ले रहा था। लगभग डेढ़ माह, एक छत के नीचे अलग-अलग प्रदेशों और जिलों के स्कूलों से आए बच्चे इस तरह से घुल-मिल गए थे, जैसे वो एक परिवार का हिस्सा हों। समर कैंप में गर्मी की छुट्टियां, ऐसी गुजरी कि पता ही नहीं चला कब दोस्ती के नए रंग में वो सराबोर हुए। बुधवार को विदाई का दिन होने से कई लोगों की आंखें भी नम हुईं। 35 से विधा में प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय आए बच्चों को परितोषिक और सर्टिफिकेट दिया गया।

### गुरुओं ने कैंप में सिखाया आर्ट

इससे पहले प्रतिभागियों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किया। कैंप में हुनर सीखने के बाद प्रदर्शनी भी सजाई। मुख्य अतिथि आरएसएस के वरिष्ठ चिंतक बीआर किन्हेंकर थे। अध्यक्षता चंद्र प्रकाश बाजपेई ने की। विशेष रूप से पार्षद प्रमोद साहू, संस्कृति विभाग के डिप्टी डायरेक्टर पीसी पारख, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ए. के. चांडक मंचस्थ रहे। वहीं, लेखक किरण अवस्थी संस्था प्रमुख केएम अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. ममता पांडे और उप प्राचार्य सुनीता रायकवार ने कैंप को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसमें अलग-अलग विधा के गुरुओं ने समर कैंप में बारीकियां सिखाईं।

राजधानी के लोग ग्राउंड वाटर लेबल बेहतर करने हो रहे सजग

## बारिश के पानी को सहेजने के लिए बनाएं रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, कभी नहीं होगी जल संकट

कार्नर न्यूज

**रायपुर।** शहर में गर्मी के दिनों में पानी की समस्या से निजात पाने प्रत्येक घर व भवनों की छतों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित किया जाना समय की मांग है। इससे भू-जल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगा। इससे गर्मियों में शहर के अंदर निस्तारी व पीने के पानी की किल्लत की समस्या से सदा के लिए छुटकारा मिल जाएगा। ऐसे में शहरवासियों को बारिश के पानी को घरों की छतों के माध्यम से वाटर रिचार्ज करना होगा। इसके लिए शहर के जाने माने भू-जल वैज्ञानिक एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एक्सपर्ट डॉ. विपिन दुबे बता रहे हैं कि कैसे कम लागत से घर की छत पर बारिश के पानी को रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित कर आसानी से जल संरक्षण का पुनीत कार्य किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें छत से जो पीवीसी पाइप उतरता है, उसमें वर्टिकल हैंग हो जाता है। बगल में जो वाल्व लगा है, उसे खोलकर पहला बारिश का पानी छत पर जो गिरता है, उसे बाहर निकालना जरूरी होता है। इस पानी को निकालने के बाद ही वाल्व को बंद करने के बाद साफ पानी फिल्टर से छनकर बोर में चला जाता है, यह पूर्ण रूप से वैज्ञानिक पद्धति है। इसका समय-समय पर फिल्टर की साफ-सफाई करना जरूरी होता है। साथ ही आपका छत भी हमेशा साफ़ रहे, इसका भी ध्यान रखना होता है, ताकि पानी में किसी प्रकार की अशुद्धि न रहे। इस प्रकार हर कोई अपने घरों की छतों का पानी बारिश के दिनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम से सरल व कम लागत में सहेजकर कर गर्मी के दिनों में गिरते भू-जल स्तर व पानी की किल्लत जैसी समस्याओं से बच सकता है। वर्षा जल संग्रहण एवं संचयन के लिए प्रत्येक शहरवासियों को अपने घरों के छतों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है। तभी पीने व निस्तारी के लिए पानी की जरूरत पूरी होगी। साथ ही भू-जल स्तर भी कायम रहेगा।

### हर मकान में रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाने का है नियम

नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक शहर के अंदर वर्तमान में निर्मित होने वाले सभी मकानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित करने का नियम बनाया गया है। जब भी कोई नागरिक मकान निर्माण करता है, तो नगर निगम से परमिशन लेता है। उस समय वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण अनिवार्य रूप से कराने के लिए संबंधित नागरिक से 25 हजार रुपए सिक्योरिटी राशि जमा कराया जाता है। निर्माण के बाद मकान में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित होने का प्रमाण पत्र जारी करने का नियम है। इसके बावजूद 100 में से 10 प्रतिशत लोग भी अपने मकानों में वाटर हार्वेसिंग सिस्टम नहीं लगा रहे हैं।

### 15 हजार तक की लागत से रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के विशेषज्ञों के मुताबिक एक घर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए अधिकतम 15 हजार रुपए तक की खर्च आता है, जबकि इसके फायदे का कोई मोल नहीं है। घर के छतों से बरसात के पानी को वाटर हार्वेस्टिंग से संग्रहित व संचयन करने दो तरह के वैज्ञानिक विधि का उपयोग किया जाता है। पहली विधि इसमें छत से जो पीवीसी पाइप को नीचे उतारा जाता है, जबकि दूसरी विधि है वाटर रिचार्ज वेल का निर्माण करने पीवीसी पाइप से छत से उतरने वाले पानी के लिए 8 फुट गड्ढे बनाकर उसमें आरसीसी रिंग डाला जाता है, फिर इन गड्ढों में फिल्टर मीडिया जैसे ईंट, बोल्डर, कोयला व रेत की फिलिंग किया जाता है, जिससे पानी रिसकर मिट्टी की सांद्रता से होकर भूमि में चला जाता है। इसे वाटर रिचार्ज वेल कहते हैं।

## सिटी लाइव

# पाठ्यक्रम में सावरकर और शिवाजी के प्रसंगों को शामिल करने की मांग

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर के जीवन चरित्र को समझाने, खासकर स्वतंत्रता संग्राम में उनके संघर्ष का प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए राज्य सरकार सौ- सौ युवाओं का ग्रुप बनाकर उन्हें अंडमान के सेल्युलर जेल की यात्रा कराएं। यह मांग महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले की है, जिन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सीएम हाउस में मुलाकात कर व्यक्तिगत सामाजिक मांग व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ राज्य मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष दीपक म्हस्के के नेतृत्व में सीएम साय से मुलाकात करने वालों में महाराष्ट्र मंडल के दिव्यांग बालिका विकास गृह के प्रभारी प्रसन्न निमोणकर, भवन प्रभारी निरंजन पंडित और सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी भी शामिल रहे। इस अवसर पर म्हस्के ने कहा कि सावरकर को लेकर युवाओं की अंडमान यात्रा बिल्कुल सामयिक और समय की मांग है। बच्चे भ्रामक इतिहास को ही सत्य मान लें, उससे पहले उन्हें सेल्युलर जेल का भ्रमण करवा कर, न केवल सावरकर को लेकर सत्यता से रूबरू करना चाहिए, बल्कि उनमें भी राष्ट्रवाद की भावना प्रबल करना चाहिए।

### मुख्यमंत्री साय से सामाजिक मुद्दों पर चर्चा

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वीर सावरकर के बारे में जो बातें लिखी गईं हैं, उनका व्यक्तित्व देशभक्ति और सेवा-समर्पण से ओतप्रोत है। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी में मौजूद तत्थों पर विश्वास करती हैं। चर्चा के दौरान सदस्यों ने कहा कि शिलालेख के साथ वीर सावरकर की एक प्रतिमा राजधानी के व्यस्ततम चौराहे पर लगाई जानी चाहिए। नगर निगम व संस्कृति विभाग के माध्यम से राज्य सरकार का यह प्रयास आमजनों को प्रेरित करेगा। विनायक दामोदर सावरकर और छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों पर आधारित शालेय पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

## राजधानी में सद्गुरु कबीर साहेब के 627वें प्राकट्य उत्सव में दिनभर छलका उत्साह

# गुरु पथ पर चलते हुए दर्शन के लिए शोभायात्रा, कई जगह प्राकट्य उत्सव

'सद्गुरु कबीर साहेब के 627वें प्राकट्य उत्सव की खुशी आयोजन स्थलों ही नहीं, बल्कि शहर के अलग-अलग मार्गों पर भी शोभायात्रा के रूप में देखने को मिली। इस कड़ी में अलग-अलग क्षेत्र और मोहल्ले से कबीर साहेब की आकर्षक झांकी के साथ लोग शोभायात्रा में शामिल हुए। समाज की बाहुल्यता और लोगों की सुविधा के लिए कई जगह आयोजन किया गया। गुरु पथ पर चलते हुए पंथ अनुरागी गुरु दर्शन के लिए परिवार के साथ पहुंचे।'

**रायपुर।** राजधानी में सदगुरु कबीर साहेब को मानने वालों का हुजूम उमड़ा। कबीर साहेब के 627वें प्राकट्य दिवस को उत्सव का रूप देने के लिए कबीर पंथ के लोगों द्वारा दो दिवसीय आयोजन किया गया। बुधवार को प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया गया। गुरुधाम अमलेश्वर में सद्गुरु कबीर धर्मदास वंशावली सेवा समिति, केबीवी मिशन, अमीन माता महिला मंडल एवं नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में प्राकट्य उत्सव का आयोजन हुआ। इसमें गुरु गोसाई डॉ. भानुप्रताप साहेब व माता साहिबा सुलक्षणा देवी का आगमन हुआ। जहां श्रद्धालुओं की दर्शन बंदगी के लिए दिनभर भीड़ रही।

### विश्व शांति व भाईचारे का संदेश

सत्यनाम धुन, कर्मा नृत्य के साथ धूमधाम से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा राम नगर, कबीर चौक, तेलघानी नाका, रामसागर पारा, तात्यापारा, जयस्तंभ चौक, शास्त्री चौक पहुंची। जहां से देवेंद्र नगर चौक पर इसका समापन किया गया। इसमें सद्गुरु कबीर साहेब के वाणी, वचनों का प्रचार-प्रसार करते हुए, विश्व शांति एवं भाईचारे का संदेश दिया गया। हजारों कबीरपंथी शामिल होकर सद्गुरु के वाणी, वचनों का प्रसार करने में सहभागी बने। शाम 4 बजे सदगुरु कबीर सत्संग स्थल गोदवारा में गुरु माता मनीषा देवी का दामाखेड़ा से आगमन हुआ। श्रद्धालुओं को दर्शन लाभ मिला। इसमें समाज के बीच ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू प्रमुख रूप से पहुंचे।

### नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प

संत शिरोमणी कबीर दास चौक पर कबीर जी की प्रतिमा के पास धूमधाम से सेन समाज के द्वारा जयंती मनाई गई। समाज के पदाधिकारियों ने पूजा-अर्चना करने के बाद कबीर के बताए सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष डॉ. मनोज ठाकुर के साथ अतिथि के रूप में युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अनिल सेन, कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुशील कौशिक, मानिकपुरी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णा दास, अनुराधा, इंद्राणी ठाकुर प्रमुख रूप से शामिल हुई। सभी ने कबीर के चित्र पर श्रीफल, पुष्पमाला तथा दीप प्रज्वलित करते हुए जयघोष किया। साथ ही नशा मुक्त समाज बनाने और बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने की अपील की गई।

### शाकाहार का प्रचार करने शपथ

सिविल लाइन में कबीर चौक पर मानिकपुरी पनिका समाज महानगर ने पूजा-आरती का आयोजन किया। कबीर साहेब के तैल चित्र पर माल्यार्पण करके समाज के लोगों द्वारा पूजा -आरती की गई। कबीर जी के बताए मार्ग पर चलने और 'ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर' को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। सात्विक जीवन यापन, नशा से दूर एवं शुद्ध शाकाहार का प्रचार करने शपथ ली। इसके बाद प्रसाद वितरण भी किया गया। इसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष प्रेमदास, उपाध्यक्ष नामेश्वर दास, सचिव गणेश दास, संयुक्त सचिव शंकर दास, संगठन प्रभारी मोहनदास, कोषाध्यक्ष सुक्रित दास ने अहम भूमिका निभाई। मीडिया प्रभारी त्रिलोचन दास ने यह जानकारी दी।

## लाइव इवेंट

# तनावमुक्त जीवन विषय पर राजयोग अनुभूति शिविर का आयोजन

**रायपुर।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा तनावमुक्त जीवन विषय पर राजयोग अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन देवेन्द्रनगर स्थित सुनिता हाईट्स में किया गया। बुधवार को शुभारंभ अवसर पर ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने कहा कि खुशी आत्माओं का स्वाभाविक गुण है, इसे बाहर ढूंढने की जरूरत नहीं है। जब व्यक्ति भौतिक पदार्थ या बाह्य वस्तुओं में खुशी ढूंढने की कोशिश करता है, तब वह अपनी खुशी दूसरों के हाथों में सौंपने का काम करता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए जीवन में प्रसन्नता का होना जरूरी है, इससे व्यक्ति तनाव से दूर महसूस करता है।

### खुशी आत्माओं का स्वाभाविक गुण

तनाव शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। कोविड के दौरान देखा गया कि कैसे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण लोग कोविड का शिकार बन रहे थे और अपनी जान गंवा रहे थे। स्वस्थ रहने के लिए मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता है। व्यक्ति को तनाव, चिड़चिड़ापन, क्रोध, अकेलापन या डर का अहसास हो तो उसका मनोबल कम हो रहा है। इस प्रतिस्पर्धा के युग में जीवन के हर क्षेत्र में अनेक चुनौतियों का सामना करने का प्रबल साहस प्रत्येक व्यक्ति को रखना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद कृतिका जैन, ब्रह्माकुमारी गंगा दीदी, ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी और ब्रम्हाकुमारी सुनिता दीदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

# 108 कलशों के जल से स्नान, जगन्नाथ का दर्शन करने मंदिरों में उमड़ी भीड़

**रायपुर।** स्नान पूर्णिमा के चलते श्री जगन्नाथ मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बढ़ी। पुरानी बस्ती स्थित टूरी हटरी में लोग इस उत्सव का साक्षी बनने के लिए सपरिवार पहुंचे। श्री जगन्नाथ मंदिर में गायत्री नगर, शंकर नगर, बीटीआई सहित शहर के अलग-अलग क्षेत्र में रहने वाले श्रद्धालु भी साल में एक बार आराध्य देव के मंगल स्नान का दर्शन लाभ लेने के लिए भारी तादाद में पहुंचे। कुछ ऐसा ही भक्तिमय माहौल बुधवार को सदर बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर में भी देखने को मिला। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा की मौजूदगी में पूजा विधान किया गया।

शहर के प्रमुख जगन्नाथ मंदिरों में सुबह से रहा भक्तिमय माहौल

### पट बंद रहेंगे, नहीं मिलेगा दर्शन

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा के भव्य महा स्नान अनुष्ठान के दौरान 108 कलशों के जल से इस 'राज स्नान' के साथ भगवान 'अनासर' यानी एकांतवास में रहेंगे। इस बीच मंदिर के पट बंद रहेंगे। श्रद्धालु दर्शन भी नहीं कर सकेंगे। शास्त्रों के तहत भगवान को जलाभिषेक के कारण त्रिदोष (कफ, पित्त, वात) हो जाता है, इससे वे अस्वस्थ होते हैं। इसलिए, 15 दिनों तक उन्हें एकांत में विश्राम दिया जाता है। भगवान को औषधीय सेवा दी जाती है। इसमें जड़ी -बूटियों, फलों और जौ से बनी खिचड़ी अर्पित किया जाता है।

### भक्तों ने किया महास्नान का विधान

टूरी हटरी श्री जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धा भक्ति से परंपरा निभाई गई। भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलदाऊ का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ आरती एवं महास्नान का विधान किया गया। महंत रामसुन्दर दास महाराज ने विधि-विधान से पूजा -अर्चना करते हुए भगवान को स्नान कराया। श्रद्धालुओं ने भी श्रद्धा भाव से पूर्णिमा स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। तिलक दास, राजेश अग्रवाल, विजय पाली, कान्हा उपाध्याय, प्रकाश ठाकुर, संदीप वर्मा, प्रवीण सोनी ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव ने बताया कि इसमें हर वर्ग के लोगों ने सहभागिता निभाई।

### गर्भगृह से बाहर भगवान का दर्शन

हर साल की तरह प्राचीन सदर बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर का पुण्य लाभ लेने और आराध्य देव का स्नान दर्शन करने श्रद्धालुओं की भीड़ रही। पंडित मोहित पुजारी ने बताया कि सुबह पूजा-अर्चना के बाद भगवान को गर्भगृह से बाहर निकाला गया। विधि-विधान से स्नान का विधान किया गया। इसमें आसपास के लोगों ने भी उत्साह से भाग लिया। पुजारी ने बताया कि अब वैद्यराज द्वारा जांच के बाद औषधियों की जानकारी दी जाएगी। उसका भोग ही भगवान को लगेगा।

# एनआईटी में 5-दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास सत्र का आयोजन 16 से

**रायपुर।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग में 5 दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास सत्र का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। इस सत्र का उद्देश्य शिक्षकों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों एवं शोधार्थियों के बीच शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना है। यह सत्र 16 से 20 जून तक प्रतिदिन सुबह 7 से 8 बजे तक एनआईटी के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम योगा हॉल में आयोजित होगा। इस सत्र में संस्थान के बाहर के व्यक्ति भी शामिल हो सकेंगे। योग प्रोटोकॉल, आयुष मंत्रालय द्वारा डिज़ाइन किया गया एक मानकीकृत आसन एवं प्राणायाम का समूह है, जो विशेष रूप से प्रारंभिक योग अभ्यर्थियों के लिए तैयार किया गया है।

### सत्र में शामिल हो सकेंगे आमजन

संस्थान से मिली जानकारी के मुताबिक इस सत्र में योग प्रेमी डॉ. मंजू शुक्ला और सूरज निषाद से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह 5 दिवसीय सत्र योग के महत्व और इसके लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने में सहायक सिद्ध होगा, जिससे एनआईटी रायपुर द्वारा सभी में समुदाय एवं स्वास्थ्य की भावना का विकास होगा। सभी संबंधित लोगों की सक्रिय भागीदारी इस प्रयास को सफल बनाएगी और दूसरों को भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने प्रेरित करेगी।

जिसे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक रूप से अपनाया जाता है। इस सत्र में एनआइटी के छात्र-छात्राओं, संस्थान के स्टाप के लोग योग के विविध मुद्राएं सीख सकेंगे। साथ ही उसके लाभ के बारे में जान सकेंगे। योग आज के समय में हर वर्ग के लोगों के लिए आवश्यक हो गया है। योग के लिए पिछले समय में जागरूकता बढ़ी है। एनआईटी में 5 दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास सत्र से योग का प्रचार व प्रसार अधिक लोगों तक पहुंचेगा। साथ ही अधिक लोग इसका लाभ ले सकेंगे।

# जन्मदिवस संस्कार पर पार्टी नहीं संस्कारित तरीके से मनाने पहल

**रायपुर।** आधुनिक दौर में गायत्री परिवार द्वारा जन्म दिवस संस्कार को संस्कारित तरीके से मनाने की पहल से लोगों को जोड़ा जा रहा है। गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस का जन्मोत्सव संस्कार शक्तिपीठ में मनाया गया। इसमें परिवार के ट्रस्टों ने जन्मोत्सव संस्कार में भागीदारी लेते हुए मां गायत्री की पूजा-अर्चना की। साथ ही भगवान भोलेनाथ की पूजा- अर्चना करके उनके दीर्घायु होने की कामना की गई। गायत्री शक्तिपीठ द्वारा अब भी छोटे बच्चों, युवाओं और बड़े-बुजुर्गों का जन्मोत्सव संस्कारित तरीके से आयोजित किया जाता है। जन्म दिवस के पहले गायत्री परिवार ट्रस्ट में पंजीयन कराया जाता है। इसके बाद जिनका जन्म दिवस हो, उनकी दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए सुबह होने वाले यज्ञ में उनके नाम से आहुतियां दी जाती हैं।

### संस्कार को आडंबर का हिस्सा बना लिया

शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी आरके शुक्ला ने बताया कि मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस के जन्मदिवस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ की जोन समन्वयक आदर्श वर्मा, सहायक प्रबंध ट्रस्टी सदाशिव हथमल, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, दीनानाथ शर्मा, मनहरण ठाकुर के साथ शक्तिपीठ के परिव्राजक नीलम सिन्हा, नरेंद्र आडिल मौजूद रहे। लोगों ने जन्मोत्सव संस्कार को अब आडंबर का हिस्सा बना लिया है। इसके चलते परिवारों के लिए जन्म दिन का खास अवसर कुसंस्कार का माध्यम बनने लगा है। संस्कार को परंपरागत रूप से मनाने के लिए प्रेरित भी किया जाता है। इसे आत्मसात करते हुए लोग आगे आ रहे हैं।

## सिटी स्पोर्ट्स

### कप्तान कृति ने बनाए नॉट आउट 104 रन

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से सीनियर वूमेन अंडर 23 वन डे चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत बुधवार को रोमांचक मुकाबले हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 टीम में हुए मैच में सेंट्रल जोन ने वेस्ट जोन को 8 विकेट से हरा दिया। बल्लेबाजी करते हुए वेस्ट जोन की टीम ने 5 विकेट पर 193 रन बनाए। कप्तान कृति गुप्ता ने नॉट आउट 104 रन और सेजल वर्मा ने 60 रन बनाए। गेंदबाजी में सेंट्रल जोन की मनप्रीत कौर गिल एवं योगिता लहरें दो-दो विकेट और ममता भगत ने एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में सेंट्रल जोन ने दो विकेट पर 197 रन बनाए। जिसमें मानश्री मौर्य ने 83 रन और कुमुद साहू ने नॉट आउट 73 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की कामना यादव एवं रिमी गेडियन एक-एक विकेट लिए।

बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में हुए मैच में टीम नॉर्थ जोन ने ईस्ट जोन को 117 रन से हराया। बल्लेबाजी में नॉर्थ जोन ने 8 विकेट पर 232 रन बनाए। कप्तान इशा भारती देवांगन ने 81 रन, आंशी अग्रवाल ने 38 रन और पहल टंडन ने 21 रन बनाए। गेंदबाजी में ईस्ट जोन की प्रबलीन कौर एवं रवीना साहू ने दो-दो विकेट लिए। दीप्ति ढीमर, चित्रा पटेल एवं रूमा दास ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में ईस्ट जोन ने 9 विकेट पर 115 रन बनाए। जिसमें भारती ने 21 रन एवं शिवानी कृष्णा ने 19 रन बनाए। गेंदबाजी में नॉर्थ जोन की किरण वर्मा ने तीन विकेट, उर्मिला हरिना ने दो विकेट तथा प्रतिज्ञा सिंह पहल टंडन एवं दीपमाला मिंज ने एक-एक विकेट लिए।

### नेशनल म्यू थाई में बस्तर की आरवी को स्वर्ण पदक

**रायपुर।** यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया (यूएमएआई) के तत्वावधान में हरियाणा स्पोर्ट्स म्यू थाई एसोसिएशन (एचएसएमए) के द्वारा राष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप का आयोजन 09 से 14 जून तक महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के इंडोर स्टेडियम, रोहतक (हरियाणा) में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन आगंतुकों का पंजीयन, खिलाड़ियों का मेडिकल हुआ।

दूसरे दिन 10 जून को खिलाड़ियों का वजन, टाई शीट बनाने के अलावा उद्घाटन समारोह हुआ जिसके मुख्य अतिथि भारतीय ओलंपिक संघ के पर्यवेक्षक मंजीत सिंह (उपाध्यक्ष हरियाणा ओलंपिक संघ, डिप्टी डायरेक्टर विजिलेंस हरियाणा शासन) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूएमएआई के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने की। उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ म्यूथाई संघ के महासचिव अनीस मेमन के अलावा निर्णायक मण्डल के अमन यादव, प्रणव शंकर साहू और हरबंश कौर को हरियाणा की लोक परंपरा अनुसार पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह में जानकारी दी गई कि म्यू थाई को अंतरराष्ट्रीय संस्था आईएफएमए को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) एवं ओलंपिक कॉउन्सिल ऑफ एशिया (ओसीए) से म्यू थाई खेल को एशियन यूथ गेम्स 2025 में खेल के रूप में शामिल किये जाने की सूचना दी गई है। इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में एशियन यूथ गेम्स अक्टूबर 2025 बहरीन के लिए 14-15 वर्ष एवं 16-17 वर्ष के बालक बालिकाओं के 16 सदस्यीय भारतीय म्यूथाई दल का चयन किया जाएगा। जिससे भारत के म्यू थाई खेल प्रेमियों में उत्साह की लहर है। इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 29 राज्यों के लगभग 1150 खिलाड़ी, अधिकारी भाग ले रहे है। 10 जून से प्री क्वालीफाइंग राउंड के मुकाबले प्रारम्भ हुए। बुधवार को सब जूनियर वर्ग के मुकाबले प्रारम्भ हुए जिसमे जगदलपुर (बस्तर) की आरवी अवस्थी ने फाइनल में असम के खिलाड़ी को परास्त कर स्वर्ण जीत कर छत्तीसगढ़ के पदकों का खाता खोला। वहीं रायपुर की बालिका खिलाड़ी ऐशिनी वर्मा और नित्यम साहू, बस्तर की अन्वी जैन और वेदांशी ठाकुर तथा बालोद की हिमानी डड़सेना ने फाइनल में परास्त होने के पश्चात रजत पदक जीता और छत्तीसगढ़ के पदकों की संख्या 06 पहुंचाई। इनमें आरवी अवस्थी स्वर्ण (अंडर-10, -24केजी), ऐशिनी वर्मा, रजत (अंडर-10,-22केजी), नित्यम साहू, रजत (अंडर-10-25केजी),अन्वी जैन, रजत (12-13वर्ष-40केजी),हिमानी डड़सेना, रजत (12-13 वर्ष,-44केजी), वेदांशी ठाकुर, रजत (12-13वर्ष, -48केजी) शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के अन्य सभी खिलाड़ी प्री क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल या सेमी फाइनल में है। 13 जून को चैंपियनशिप के अन्तिम दिन तक छत्तीसगढ़ के पदकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। उल्लेखनीय हैं कि इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का 60 सदस्यीय दल भाग ले रहा है जिसमे 51 (28 बालक, 23 बालिका) खिलाड़ी और 09 अधिकारी शामिल है।

## देश में एनिमिया के बढ़ते मामले चिंताजनक

# भारतीय महिलाओं की सेहत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है खून की कमी, बचाव के तरीके अपनाएं और रहें हमेशा सेहतमंद

भारत में 15 से 49 वर्ष की आयु की 57% महिलाएं और छह महीने से 59 महीने के बीच के 67% बच्चे एनीमिया यानि खून की कमी से प्रभावित हैं। गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन 11 ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम और अन्य महिलाओं में 12 ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम हो तो उसे एनीमिया माना जाता है। जब भी बात महिलाओं की सेहत की आती है तो शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी और एनीमिया के मामले सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं। भारतीय महिलाओं में ये समस्या और भी ज्यादा देखी जाती है जिसके कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर हर साल अतिरिक्त दवाब भी बढ़ता जा रहा है। क्या आप अक्सर थकान, चक्कर या सांस फूलने जैसी समस्या महसूस करती हैं? ये हीमोग्लोबिन की कमी यानी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में 15 से 49 वर्ष की आयु की 57% महिलाएं और छह महीने से 59 महीने के बीच के 67% बच्चे इससे प्रभावित हैं। हालांकि अच्छी बात ये है कि इसे आसानी से रोका जा सकता है।

### शरीर में खून की कमी-एनीमिया

शरीर में खून के साथ ऑक्सीजन पहुंचाने का काम हीमोग्लोबिन करता है। जब इसकी मात्रा घट जाती है तो इसके कारण आपको एनीमिया हो सकता है, जिसमें शरीर अक्सर थका रहता है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन 11 ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम और अन्य महिलाओं में 12 ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम हो तो उसे एनीमिया माना जाता है।

### क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉक्टर बताते हैं, एनीमिया एक छिपी हुई बीमारी है लेकिन इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। थोड़ी सी जागरूकता, पौष्टिक आहार और सही समय पर दवाओं से महिलाएं इसे आसानी से मात दे सकती हैं। अगर कोई महिला अक्सर थकी-थकी लगती है, उसका चेहरा पीला पड़ गया है या वो बार-बार बीमार पड़ती है, तो तुरंत इसकी जांच कराएं। कभी-कभी सिर्फ एक गोली और अच्छी डाइट से जिंदगी में नई ऊर्जा आ सकती है। आइए जानते हैं कि शरीर में आयरन की पूर्ति के लिए क्या चीजें खानी चाहिए? और कैसे आप एनीमिया से बचाव कर सकती हैं।

### पालक को बनाएं आहार का हिस्सा

पालक आयरन के सबसे अच्छे और आसनी से उपलब्ध स्रोतों में से एक है। लगभग 100 ग्राम पालक में 2.7 मिलीग्राम आयरन होता है जिससे आयरन के दैनिक जरूरतों के 15% तक की पूर्ति की जा सकती है। पालक विटामिन-सी से भी भरपूर होता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि विटामिन सी आयरन के अवशोषण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

### रेड मीट का संतुलित सेवन

पालक के अलावा रेड मीट का सेवन करना भी आयरन की पूर्ति में आपके लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। रेड मीट में आयरन के अलावा शरीर के लिए आवश्यक कई अन्य पोषक तत्व भी भरपूर

मात्रा में पाए जाते हैं। करीब 100 ग्राम रेड मीट में 2.7 मिलीग्राम आयरन होता है। हालांकि अधिक मात्रा में रेड मीट खाने से बचना चाहिए।

### कद्दू के बीज खाइए

कुछ प्रकार के सीड्स से भी आयरन की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। विशेषतौर पर कद्दू के बीज इसका उत्कृष्ट माने जाते हैं। लगभग 28 ग्राम कद्दू के बीज में 2.5 मिलीग्राम आयरन होता है जिससे आयरन के दैनिक आवश्यकताओं की 14% तक की पूर्ति की जा सकती है।

# क्रिस्पी फ्रेंच फ्राइज बनाने अपनाएं खास उपाय, रखने के बाद भी रहेंगे स्वादिष्ट

फ्रेंच फ्राइज हम घर पर बनाने की कोशिश करते हैं, तो क्या होता है? अक्सर फ्राइज या तो ज्यादा ऑयली बनते हैं या फिर मुलायम और अगर थोड़ी देर बाद दोबारा खाने जाएं, तो वो और भी नरम और बेस्वाद लगने लगते हैं

आलू हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं, जिसके बिना खाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आलू से बनी चीजें बहुत पसंद की जाती है जैसे फ्रेंच फ्राइज। इसका नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है, जिसे हर कोई बड़े ही चाव से खाता है। इसका कुरकुरा स्वाद और ऊपर से मसालेदार फ्लेवर दिन बना देता है।

हालांकि, ऐसे फ्राइज किसी अच्छे रेस्टोरेंट या फास्ट फूड आउटलेट में ही मिलते हैं। मगर जब यही फ्रेंच फ्राइज हम घर पर बनाने की कोशिश करते हैं, तो क्या होता है? अक्सर फ्राइज या तो ज्यादा ऑयली बनते हैं या फिर मुलायम और चिपचिपे। ऊपर से कुरकुर टेक्सचर की तो बात ही छोड़िए...और तो और अगर थोड़ी देर बाद दोबारा खाने जाएं, तो वो और भी नरम और बेस्वाद लगने लगते हैं।

हमारे समझ ही नहीं आखिर गलती होती कहां हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है, तो यह लेख आपकी मदद कर सकता है। यहां हम कुछ हैक्स बताएंगे जिनकी मदद से फ्राइज को कुरकुरा और स्वादिष्ट बनाया जा सकता है।

### बड़े सफेद आलू का करें इस्तेमाल

आजकल मार्केट में कई तरह के आलू मिलते हैं और हर आलू के फ्राइज बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। इसलिए फ्राइज बनाने के लिए स्टार्च वाले आलू चुनें जैसे चिप्स वाला आलू होता है। आप बड़े सफेद आलू चुन सकते हैं, क्योंकि जल्दी पक जाते हैं और फ्राई होने पर क्रिस्पी भी रहते हैं।

### आलू को काटकर पानी में भिगोएं

आलू काटने के बाद उन्हें सीधा तेल में न डालें। सबसे पहले इन्हें कम से कम 30 मिनट तक ठंडे पानी में भिगोकर रखें। इससे उनमें मौजूद एक्स्ट्रा स्टार्च निकल जाएगा और तलते समय आलू आपस में नहीं चिपकेंगे। अगर आपके पास वक्त है, तो पानी में थोड़ा-सा सिरका या नींबू का रस डाल दें।

### अच्छी तरह सुखाना है जरूरी

पानी से निकालने के बाद इसे सुखाना बहुत जरूरी है। अगर आप बिना सुखाए आलू को तेल में डालेंगे तो आपको खतरा हो सकता है। इसलिए पहले आलू को अच्छी तरह से सुखा लें और फिर फ्राई करने के लिए इस्तेमाल करें। सुखाने के लिए आप किचन टॉवल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

# आषाढ़ माह में जरूर करें इन खास चीजों का दान

आषाढ़ महीना अब जल्द ही शुरू होने वाला है। इस दिन दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। इससे व्यक्ति की सभी समस्याएं दूर हो सकती है। इस माह में किन चीजों का दान करने से भाग्योदय हो सकता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी बता रहे हैं।

### सरसों तेल

सरसों का तेल शनिदेव को अत्यंत प्रिय है। आषाढ़ मास में, विशेष रूप से शनिवार या आषाढ़ अमावस्या के दिन, सरसों के तेल का दान करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इससे शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या या अन्य शनि दोषों से मुक्ति मिल सकती है। सूर्यास्त के बाद दक्षिण दिशा में सरसों के तेल में काला तिल डालकर दीपक जलाना पितरों को खुश करने वाला माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि सरसों के तेल का दान करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं, कर्ज से छुटकारा मिलता है और धन आगमन के योग बनते हैं।

### नमक का दान

आषाढ़ मास में नमक का दान करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती है। आषाढ़ मास में किए गए दान-पुण्य से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इतना ही नहीं, अगर किसी जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है तो नमक का दान करने से लाभ हो सकता है।

# बच्चों को पढ़ाने एआई टूल्स की लें मदद घंटों का काम मिनटों में होगा आसान

क्या आपको बच्चों को पढ़ाने में मुश्किल हो रही है? क्या आप जानती हैं कि अब बच्चों को पढ़ाने में एआई टूल्स भी आपकी मदद कर सकते हैं? अगर नहीं, तो आइए यहां उन एआई टूल्स के बारे में डिटेल से जानते हैं जो बच्चों को पढ़ाने में आपकी मदद कर सकते हैं और घंटों का काम मिनटों का बना सकते हैं।

मां बनना इतना आसान नहीं है, जितना बॉलीवुड की फिल्मों में देखने को मिलता है। मां बनने के साथ कई जिम्मेदारियां आती हैं जो समय के साथ कम नहीं, बल्कि बढ़ती जाती हैं। यह जिम्मेदारी तब ज्यादा मुश्किल हो जाती है, जब बच्चे को पढ़ाने की बारी आती है। जी हां, बच्चों का होमवर्क कराना, प्रोजेक्ट्स बनवाना और एग्जाम के लिए तैयारी कराना बिल्कुल भी आसान नहीं होता है।

अगर आपको भी बच्चों को पढ़ाने में मुश्किल हो रही है, तो आप टेक्नोलॉजी को अपना दोस्त बना सकती हैं। आज के समय में टेक्नोलॉजी सिर्फ ऑफिस या बड़ी कंपनियों का

हिस्सा नहीं हैं, बल्कि यह एक हाउस वाइफ और मां की लाइफ भी बदल सकती है। बदलते समय के साथ कई ऐसे एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स डेवलप हो गए हैं, जो बच्चों की पढ़ाई को सिर्फ आसान नहीं बनाते हैं, बल्कि कई घंटों के काम को मिनटों में भी बना देते हैं। आइए, यहां जानते हैं कि आप बच्चों को पढ़ाने के लिए एआई टूल्स की मदद ले सकती हैं।

### ये एआई टूल्स कर सकते हैं मदद

अगर बच्चों की पढ़ाई के लिए स्टडी मटीरियल अलग-अलग किताबों या इंटरनेट पर खोज रही हैं और कई की मेहनत के बाद भी पूरी डिटेल्स नहीं मिली हैं, तो यह AI टूल आपकी मदद कर सकता है। क्विजलेट एआई टूल स्टडी मटीरियल को इकट्ठा करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, पढ़ने के बाद बच्चे का टेस्ट लेने में भी इस टूल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

### नैपकिन एआई

यह टूल बच्चों को इमेज, डिजाइन्स, ग्राफिक्स और प्रेजेंटेशन्स बनाने में मदद कर सकता है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि किसी भी तस्वीर को देख बच्चा जल्दी सीखता है। खासकर यह टूल बच्चों का प्रोजेक्ट आदि बनाने में भी मदद कर सकता है। इस टूल की मदद से लिखे टेक्स्ट से मिनटों में ग्राफिक्स, डिजाइन्स और प्रेजेंटेशन्स तैयार किए जा सकते हैं।

## फिल्म इवेंट

### हॉलीवुड

## कैब ड्राइवर ने रैपर क्रिसी सेलेस पर तानी बंदूक, पुलिस ने की सख्ती

अमेरिका के फ्लोरिडा में रैपर क्रिसी सेलेस के साथ एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। उनके ऊपर एक कैब ड्राइवर ने बंदूक तान दी। पहले कैब ड्राइवर ने रैपर से अपनी कैब से बाहर निकलने को कहा, जब बहस बढ़ी तो उसने रैपर पर बंदूक तान दी। किसी तरह से रैपर ने अपनी जान बचाई। इस मामले ने सभी को चैंका दिया है। कैब ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। रैपर क्रिसी सेलेस फिलहाल ठीक हैं। खबर के मुताबिक उबर कैब ड्राइवर जेनिफर बेनीडेज ने मियामी से दो महिलाओं को अपनी कैब में बिठाया। इसके बाद दोनों को गंतव्य से पहले हॉलीवुड में एक जगह पर उतरने को कहा। सवारियों ने उतरने से मन कर दिया। इस पर कैब ड्राइवर ने रैपर क्रिसी सेलेस पर बंदूक तान दी।

इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैब ड्राइवर और सवारियों के बीच तीखी बहस हो रही है। कैब ड्राइवर बार-बार सवारियों से कह रही है कि मेरी कार से उतर जाओ। जब वह दोनों उतरने से मना करते हैं तो कैब ड्राइवर उन पर बंदूक तान देती है। रैपर क्रिसी सेलेस किसी तरह अपनी जान बचाती हैं।

मामले के कई दिन अब कैब ड्राइवर जेनिफर बेनीडेज को गिरफ्तार कर लिया गया। उबर ने बेनिटेज को अपने ऐप से डिएक्टिवेट कर दिया है और मामले की जांच कर रहा है। घटना के बाद कैब ने माफी मांगी है और इस घटना को बहुत आपत्तिजनक बताया है। अमेरिका में खुलेआम बंदूक रखने पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। अमेरिका में पहले भी कई ऐसे मौके आए हैं जब आम लोगों पर जानलेवा हमले किए गए हैं।

### टॉलीवुड

## रश्मिका की तारीफ में बोले नागार्जुन- 'वो टैलेंट की पावरहाउस'

धनुष, नागार्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कुबेर' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। हाल ही में मुंबई में फिल्म का म्यूजिक लॉन्च इवेंट हुआ, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई। इस दौरान सुपरस्टार नागार्जुन ने फिल्म की शूटिंग के अपने अनुभव और कलाकारों को लेकर बात की। नागार्जुन ने फिल्म के निर्देशक शेखर कम्मुला और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी तारीफ की। इवेंट के दौरान नागार्जुन ने बोलते हुए कहा, 'जब भी मैं मुंबई आता हूं, एयरपोर्ट से होटल और इवेंट तक, हर जगह मुझे ऑडियंस का ढेर सारा प्यार और अपनापन मिलता है। लोग मुझसे हमेशा कुछ नया और बड़ा करने की उम्मीद रखते हैं। अपने करियर की शुरुआत से ही, चाहे वो 'शिव' हो, 'खुदा गवाह', 'क्रिमिनल', 'जख्म' या 'अंगारे', मुझे उत्तर भारत की ऑडियंस ने हमेशा सराहा है। नार्थ में मेरी डब फिल्में भी यहां खूब पसंद की गई हैं। यहां के लोगों का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं।' अभिनेता ने आगे कहा कि मैं उत्तर भारत की ऑडियंस का दिल से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने दक्षिण भारत की फिल्मों को इतना प्यार दिया। आजकल हर कोई पूरे भारत की फिल्में देख रहा है और सराह रहा है। पैन इंडिया फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। 'कुबेर' तमिल, तेलुगू और हिंदी में रिलीज होगी। मुझे लगता है, यही इंडियन सिनेमा का भविष्य है। फिल्म के बारे में बात करते हुए नागार्जुन ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जब मुझे यह ऑफर मिला, मैं सोच रहा था कि आगे क्या नया करूं। एक जैसे रोल बार-बार नहीं कर सकता। तभी शेखर कम्मुला, जिनके साथ मैं 15 साल से काम करना चाहता था, मेरे पास आए और बोले- क्या आप ये रोल करना चाहेंगे? मैंने बिना पूछे हां कर दी, क्योंकि मैं जानता था कि शेखर कम्मुला शानदार फिल्ममेकर हैं, उनकी इमोशंस बहुत सच्ची हैं।

### भोजपुरी

## यश की फिल्म 'लाखों में एक हमार भईया' का ट्रेलर देख फैंस हुए भावुक

भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक बेहद संवेदनशील और भावनात्मक फिल्म 'लाखों में एक हमार भईया' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म भाई-बहन के अमिट प्रेम, संघर्ष और बलिदान को केंद्र में रखकर बनाई गई है, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से झकझोर देती है। इसमें यश कुमार लीड रोल में हैं, जो अपनी एक्टिंग से पहले ही भोजपुरी सिनेमा में एक मजबूत पहचान बना चुके हैं। एक्टर यश कुमार इस बार एक संवेदनशील और प्रेरणादायक भाई के किरदार में नजर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर यश कुमार ने कहा, ''लाखों में एक हमार भईया' मेरे दिल के बेहद करीब है। इस फिल्म के जरिए हमने भाई-बहन के उस रिश्ते को बड़े पर्दे पर उतारने की कोशिश की है, जो सिर्फ खून का नहीं, बल्कि भावनाओं, विश्वास और बलिदान से जुड़ा होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म में सिर्फ ड्रामा या एक्शन नहीं है, बल्कि एक ऐसा संदेश है जो हर परिवार को जोड़ता है। हम चाहते हैं कि यह फिल्म हर उस भाई और बहन के दिल को छुए, जो एक-दूसरे के लिए हर परिस्थिति में खड़े रहते हैं।' यश कुमार ने आगे कहा, 'हमारी भोजपुरी इंडस्ट्री में पारिवारिक और संवेदनशील फिल्मों की कमी होती जा रही है। इस फिल्म के माध्यम से हम यह दिखाना चाहते हैं कि अच्छे कंटेंट वाली फिल्में भी दर्शकों को पसंद आ सकती हैं और समाज को दिशा दे सकती हैं। आप सभी इस फिल्म को जरूर देखें और इसे अपने परिवार के साथ देखें, क्योंकि ये फिल्म आपको सिर्फ मनोरंजन नहीं देगी।

"रिज़ॉर्ट 2025 कलेक्शन में मुख्य रूप से पारदर्शी सौंदर्य को दर्शाया गया है, जिसमें डिज़ाइनरों ने नाज़ुक लेस से लेकर पूरी तरह से पारदर्शी को-ऑर्ड तक पारदर्शी कपड़ों की एक श्रृंखला को अपनाया है। यहां अंडरस्कर्ट की परिकल्पना स्टैंडअलोन पीस के रूप में की गई है, जिसे अक्सर सिलवाया जैकेट या कैज़ुअल टी-शर्ट के साथ जोड़ा जाता है। यह लेयरिंग के महत्व को उजागर करती है।

## लंबे समय तक टिका रहेगा हेयर कलर

बालों में हेयर कलर करवाना हम सभी को पसंद होता है। किसी को यह फैशन स्टाइल लगता है, तो कोई अपने बालों को अच्छा दिखाने के लिए करवाता है। लेकिन इसे लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए।

बालों की केयर करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए हम बालों में हेयर स्टाइल को बनाते हैं। लेकिन आजकर हेयर कलर काफी ट्रेंड में है। इसी वजह से लोग अपने बालों में अलग-अलग तरह के कलर को करा रहे हैं। कोई बालों को गोल्डन करा रहा है, तो किसी को लाल या हरे बाल पसंद आ रहे हैं। लेकिन इन्हें करवाने में पैसे भी काफी लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप बालों के कलर को लंबे समय तक टीका रहने के लिए कुछ चीजों का खास ध्यान रखें। चलिए आपको बताते हैं किन बातों का ध्यान आपको रखना चाहिए।

### हेयर कलर करवाने के तुरंत बाद शैंपू न करें

बालों में कलर करवाने के लिए आप पार्लर जाते हैं। वहां पर वो आपके बालों को अच्छे से अच्छा ट्रीटमेंट देते हैं। ऐसे में आप बालों में ड्राई या लिक्विड किसी भी तरह के शैंपू को न लगाएं। इसकी वजह आपके बालों में हुए कलर खराब हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि शैंपू मेंसॉल्वेंट की मात्रा ज्यादा होती है, जो बालों के रंग पर असर डालती है। ऐसे में कोशिश करें कीशैंपू का इस्तेमाल न करें। इससे आपके बालों का कलर फीका नहीं पड़ेगा। साथ ही, खराब होने से बच जाएंगे। इससे बेहतर है कि आप जिसने आपका ट्रीटमेंट किया है उनकी सलाह लेकर ही बालों में शैंपू का इस्तेमाल करें, ताकि आपको जल्दी सैलून के चक्कर न लगाने पड़ें।

### हेयर कलर के बाद गर्म पानी से न करें बाल वॉश

कई बार हम बालों को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन आपको बालों का कलर लंबे समय तक टीकाकर रखना है, तो ऐसे में आप गर्म या गुनगुने पानी का इस्तेमाल न करें। इससे आपके बाल खराब हो सकते हैं। साथ ही, बालों में ड्राइनेस भी हो सकती है। इससे बेहतर है कि आप नॉर्मल पानी से ही बालों को वॉश करें। कई बार हेयर स्टाइल को बनाने के लिए हम बालों में सीरम या जेल का इस्तेमाल कर लेते हैं। इन्हें लगाने से भी हेयर कलर फीका हो सकता है।

## पहनें ऐसे लाइट कलर के लहंगे, लुक दिखेगा हटके

बेस्ट फ्रेंड की शादी का मौका हर किसी के जीवन में बेहद खास होता है। इस दिन हम सबसे खूबसूरत लुक क्रिएट करना चाहते हैं। ताकि जो भी हमें एक बार देखे तो बस देखता ही रह जाए। इसके लिए हमें अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए काफी सोचना भी पड़ता है। इसके बाद ही हम अपनी दोस्त की शादी में अट्रैक्टिव नजर आते हैं। ऐसे में यदि आपकी भी बेस्ट फ्रेंड की शादी बेहद नजदीक है और आप उसमें शामिल होने का सोच रही हैं, तो आज हम आपके लिए लाइट कलर के लहंगे लेकर आए हैं। इन लहंगों को पहनने के बाद आपका लुक सबसे जुदा दिखेगा। गर्मियों के लिए ये लहंगे बेस्ट चॉइस हैं। इनकी पहनने के बाद वेडिंग में आपका लुक काफी मॉडर्न और शानदार नजर आएगा। आइए फिर लाइट कलर के लहंगों पर डालते हैं एक नजर।

**लाइट कलर के लहंगे डिजाइंस:** आप भी जल्द किसी खास दोस्त की शादी में शामिल होने जा रही हैं, तो लाइट कलर के इन लहंगों को स्टाइल कर सकती हैं।

**लाइट ग्रे मिरर वर्क फ्लेयर्ड लहंगा:** दोस्त की शादी में पहनने के लिए यह लाइट ग्रे कलर का लहंगा बेस्ट रहेगा। इस लहंगे की चोली से लेकर दुपट्टे और पूरे लहंगे पर मिरर वर्क किया गया है। ऐसे में यह लहंगे बेहद खूबसूरत लुक दे रहा है। आप भी इस तरह का लहंगा खरीदकर अपना लुक बेस्ट फ्रेंड की शादी में सुंदर बना सकती हैं। लहंगे के संग आप भी ऐसी फुल स्लीव्स चोली पेयर करें और दुपट्टे को नेक में पहनें। हेयर स्टाइल को आप कर्ली करके वन साइड कोई भी एक्सेसरीज लगा सकती हैं। साथ में ग्लॉसी मेकअप और हाई हील्स आपके लुक को परफेक्ट बना देगी। ऐसे लहंगे आपको आसानी से ऑनलाइन मिल जाएंगे।

**लाइट ग्रीन लहंगा:** अगर आपको वेडिंग में सबसे जुदा नजर आना है, तो उसके लिए यह लाइट ग्रीन कलर का लहंगा परफेक्ट है। इस लहंगे पर फुल मिरर और थ्रेड से वर्क किया गया है। ऐसे में ऑल ओवर लहंगे का लुक काफी रिच लग रहा है। इस लहंगे का दुपट्टा नेट का है और बाजू भी नेट की हैं।

## मीडियम फेयर स्किन के लिए परफेक्ट हैं लिपस्टिक शेड्स

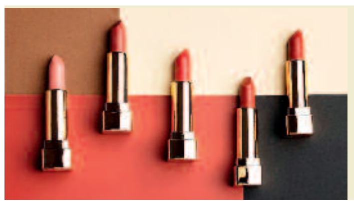

मेकअप करते हुए लिपस्टिक आपके पूरे लुक को बदल सकती है। भले ही आपने सिंपल मेकअप किया हो, लेकिन अगर आप अपने आउटफिट, ओकेजन और स्किन टोन के अनुसार लिपस्टिक के सही शेड को चुनती हैं तो इससे आपको पूरा लुक इंस्टेंट अपग्रेड हो जाता है। हालांकि, अधिकतर महिलाएं इसी में अक्सर गलती कर बैठती हैं।

### रोज़ पिंक

अगर आप एक फेमिनिन लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो ऐसे में रोज़ पिंक लिपस्टिक शेड को अपनी मेकअप किट का हिस्सा जरूर बनाएं। यह आपको एक सॉफ्ट लुक देता है। चाहे आप अपने पार्टनर के साथ डेट पर जा रही हों या फिर फैमिली गैदरिंग्स हो, इस लिपस्टिक शेड को एक बार जरूर ट्राई करें। रोज़ पिंक लिपस्टिक लगाते हुए आप मैचिंग पिंक ब्लश, ड्यू बेस और हल्का हाईलाइटर लगाकर अपने लुक को खास बना सकती हैं।

### चेरी रेड

अगर आप एक अपने लुक को एक बोल्ड टच देना चाहती हैं तो चेरी रेड लिपस्टिक को भी लगाया जा सकता है। यह आपके लुक को इंस्टेंट ग्लैमर और कॉन्फिडेंस देता है। चेरी रेड के अलावा ब्लू-बेस्ड रेड भी मीडियम फेयर स्किन टोन पर काफी अच्छा लगता है। आप पार्टीज से लेकर शादियों व शाम के फंक्शन्स में इस लिपस्टिक शेड को लगा सकती है। ब्लैक साड़ी या सिंपल रेड कुर्ते के साथ इस लिपस्टिक शेड को लगाएं।

### पीच न्यूड

यह एक ऐसा लिपस्टिक शेड है जो आपके चेहरे पर एक फ्रेशनेस और वॉर्मथ लेकर आता है। आप इसे गर्मी के मौसम में आसानी से अप्लाई करें। यह डे आउटिंग या ब्रंच लुक के लिए एकदम परफेक्ट है।

## क्लच और हैंडबैग में है कंफ्यूजन तो जानिए कब करें कौन सा कैरी

अक्सर हम अपने साथ हैंडबैग या क्लच को जरूर कैरी करती हैं। लेकिन एक परफेक्ट लुक क्रिएट करने के लिए इनमें से किसे और कब कैरी करना चाहिए, आपके लिए यह जानना जरूरी है।

जब भी हम खुद को स्टाइल करती हैं तो हर छोटी-छोटी डिटेल पर ध्यान देती हैं। अपने आउटफिट से लेकर मेकअप, हेयरस्टाइलिंग व एक्सेसरीज के साथ-साथ बैग पर भी उतना ही फोकस करती हैं। वैसे जब भी बैग की बात होती है तो दिमाग में क्लच या हैंडबैग का नाम ही आता है। ये दो ऐसे ऑप्शन हैं, जिन्हें सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। जहां क्लच छोटे, क्यूट और स्टाइलिश होते हैं। इन्हें अमूमन शादी, डेट नाइट या किसी फंक्शन के लिए एकदम परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है। वहीं, हैंडबैग को तब सबसे ज्यादा कैरी किया जाता है, जब अधिक सामान आसानी से कैरी करना हो। वैसे अगर आप भी कभी शीशे के सामने खड़ी होकर सोच में पड़ जाती हैं कि क्लच या हैंडबैग में से किसे कैरी किया जाए, तो इसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं- क्लच आपको स्टाइलिश दिखाते हैं, इसलिए पार्टी, शादी या डेट पर जाते समय क्लच को कैरी करने का विचार किया जा सकता है, बशर्ते आपको सामान कम रखना चाहिए। क्लच साइज में छोटा होता है, लेकिन आपको एकदम क्लासी लुक देता है। आजकल मार्केट में कई अलग-अलग डिजाइन्स जैसे सीक्वेंस से लेकर एंब्रायडिड क्लच मिलते हैं, जिन्हें आप अपने आउटफिट के अनुसार स्टाइल कर सकती हैं। अमूमन क्लच इंडियन वियर से लेकर गाउन तक के साथ कैरी किए जा सकते हैं।

### कार्नर न्यूज

#### सनग्लासेस सिर्फ फैशन नहीं, सुरक्षा का साधन भी

## आजकल चलन में हैं पावर वाले सनग्लासेस झिझक छोड़ अपनाएं और बिखेरें जलवा

आज के समय में आंखों पर पहले से कहीं अधिक दबाव है। ऐसे में नजर के चश्मे, हमारी जरूरत बन गए हैं। लेकिन जब आप नजर के चश्मे पहनकर तेज धूप में निकलती हैं तो आंखें चौंधिया जाती हैं। वहीं अगर आपकी नजर कमजोर है तो आप सनग्लासेस भी नहीं पहन सकतीं, क्योंकि आप पहने से चश्मा पहनती हैं। मगर ऐसा बिल्कुल नहीं है। इस समय पावर वाले सनग्लासेस ट्रेंड में हैं, जिनसे कूल और स्टाइलिश दिखना आसान हो गया है।

### पावर के सनग्लासेस

सनग्लासेस सिर्फ फैशन नहीं, सुरक्षा का साधन भी हैं, जिनमें अब सन प्रोटेक्शन के साथ ही पावर लेंस भी जुड़ गए हैं, यानी अब ये यूवी प्रोटेक्शन, एंटी-ग्लेयर और फोटोक्रोमिक लेंस टेक्नोलॉजी के साथ उपलब्ध हैं। इससे आंखों को तेज धूप, हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों और रिफ्लेक्टेड लाइट से बचाव मिलता है। फोटोक्रोमिक लेंस धूप के संपर्क में आते ही अपने आप गहरे और छांव में नॉर्मल हो जाते हैं, जिससे दिन भर आंखों को

आराम और स्पष्ट दृष्टि मिलती है। यह तकनीक दृष्टि और सुरक्षा का बेहतरीन संयोजन पेश कर रही है।

### फैशन भी, जरूरत भी

मौजूदा जरूरतों और फैशन को ध्यान में रखते हुए कई ब्रांड्स अब पावर वाले ट्रेंडी सनग्लासेस का कलेक्शन पेश कर रहे हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय हैं- मैग्नेटिक अटैचमेंट ग्लासेस, जिन्हें जरूरत के अनुसार आसानी से लगाया और हटाया जा सकता है। इसके अलावा ट्रांजिशन ग्लासेस भी बहुत पसंद किए जा रहे हैं। ये स्मार्ट ग्लासेस आपको सुविधा, स्टाइल और सेहत, तीनों का बेहतरीन कॉम्बिनेशन प्रदान करते हैं।

### आंखें भी सुरक्षित

धूप में निकलते समय आंखों पर यूवी किरणों का बुरा असर पड़ता है। ये किरणें कंजंक्टिवाइटिस, मोतियाबिंद, रेटिना डैमेज जैसी समस्याओं का कारण बन सकती हैं। पावर वाले सनग्लासेस यदि यूवी 400 या पोलराइज्ड लेंस के साथ आते हैं तो ये आंखों को सुरक्षित रखते हैं। इस समय पावर लेंस ब्लू लाइट फिल्टर के साथ भी आ रहे हैं, जो कंप्यूटर और मोबाइल स्क्रीन की हानिकारक किरणों से बचाते हैं। असल में, सही पावर वाले चश्मे पहनने से आंखों को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती, आपको सिर दर्द नहीं होता और दृष्टि में भी सुधार होता है।

### चयन करते वक्त

पावर वाले चश्मों में सनग्लासेस का उपयोग आंखों की सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है, बशर्ते वे सही तरीके से चुने जाएं और उनमें अच्छी गुणवत्ता वाले लेंस का उपयोग किया गया हो। सिर्फ फैशन के लिए सस्ते और बिना आंखों की जांच कर पहने गए सनग्लासेस आपकी दृष्टि को नुकसान पहुंचा सकते हैं। फैशन के नाम पर आंखों से समझौता करना ठीक नहीं है।

### आंखों की जांच के बाद ही चुनें

ऑप्टोमेट्रिस्ट, सीताराम शर्मा का कहना है कि पावर के साथ मिलने वाले सनग्लासेस एक अच्छा विकल्प बन चुके हैं। इनका उपयोग आज की जरूरत है। बस इनका उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है, जैसे- ऑनलाइन या सस्ते विकल्पों से बचें और हमेशा ऑप्टोमेट्रिस्ट से आंखों की जांच कराकर ही चश्मा बनवाएं। प्रतिष्ठित ब्रांड या अच्छी कंपनी से ही यूवी प्रोटेक्शन और एंटी-ग्लेयर कोटिंग वाला पावर सनग्लासेस लें।